कोटद्वार, बुधवार
18 फरवरी 2026
वर्षः 48
अंकः 265 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

भुगतान को लेकर ठेकेदार और लोनिवि कर्मी में नोक झोंक

चमोली। मंगलवार को थराली–देवाल और नारायणबगड़ विकासखंड के ठेकेदारों ने आपदा के दौरान किए गए कार्यों का भुगतान नहीं होने के चलते लोनिवि कार्यालय में जमकर हंगामा किया। ठेकेदारों ने किया आपदा में काम तो करा दिया लेकिन भुगतान अब तक नहीं हो पाया। इस दौरान लोनिवि कर्मी और ठेकेदारों में नोक झोंक भी हुई। मंगलवार को अपने पूर्व तालाबंदी कार्यक्रम के तहत ठेकेदार लोक निर्माण विभाग के कार्यालय पहुंचे। इस दौरान एसडीएम पंकज भटट और ईई लोनिवि रमेश चंद्र के ने ठेकेदारों के साथ बातचीत की, लेकिन ठेकेदार तुरंत भुगतान पर अड़े रहे। उसके बाद ईई ने लेखाधिकारी को बुलाया और भुगतान रूकने का कारण पूछा। जिस पर उन्होंनें नियमों और अनुबंधों का हवाला दिया और कहा कि बिल समय पर उपलब्ध नहीं कराए जाने की बात बताई और कहा कि छह माह बाद बिल दिए जा रहे हैं। इस बात पर ठेकेदार भड़क गए और विवाद बढ़ गया। देवाल के ठेकेदार हरेंद्र कोटड़ी, थराली के राकेश जोशी, अब्बल पिमोली और नारायणबगड़ के देवेंद्र नेगी ने लेखाधिकारी पर आरोप लगाया कि कई ठेकेदारों को भुगतान कर दिया गया है। जबकि कुछ को नियमों और कानून की बात कहकर घुमाया जा रहा है। बाद में एसडीएम और ईई से वार्ता के बाद ठेकेदार माने।

वन निगम में करोड़ों के घपले का आरोप

देहरादून। उत्तराखंड वन विकास निगम कर्मचारी संघ ने निगम में लगभग 20 से 25 करोड़ रुपये के विभिन्न घोटालों का आरोप लगाते हुए उच्चाधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संघ ने छोटे कर्मचारियों के उत्पीड़न और बड़े अधिकारियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। उत्तराखंड वन विकास निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष टीएस बिष्ट ने मंगलवार को प्रेसक्लब में पत्रकार को जानकारी देते हुए कहा की राज्य गठन के समय परिसंपत्ति समायोजन में करीब 2.18 करोड़ रुपये की अनियमितता सामने आई। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें वसूली के बजाय ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। जबकि एक छोटे कर्मचारी से 55 हजार रुपये से अधिक की वसूली की गई। इसके अलावा उन्होंने लालकुआं डिपो में करोड़ों रुपये से अधिक के घोटाले, हरिद्वार खनन प्रभाग में 1.22 करोड़, विभिन्न गेटों पर 57 लाख, पश्चिमी क्षेत्र रामनगर में 1.11 करोड़ और टोंस लॉगिंग प्रभाग में करीब 8 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया गया है। संघ ने यह भी कहा कि खनन क्षेत्रों में बिना आरएफआईडी और सीसीटीवी के वाहनों का संचालन हो रहा है, जो नियमों की अनदेखी है। साथ ही भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले कर्मचारियों का निलंबन और स्थानांतरण किए जाने का आरोप भी लगाया गया है।

छह दिन बाद आईआईटी छात्र का मिला गंगनहर से शव

रुड़की। छह दिन बाद आईआईटी के छात्र आशीष शुक्ला का शव गंगनहर से मंगलवार सुबह बरामद किया गया। वाल्मीकि घाट पर पैर फिसलने के कारण 11 तारीख को आशीष शुक्ला गंगनहर में बह गया था। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ समेत दूसरे राज्यों से आए गोताखोर उसकी तलाश कर रहे थे। एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल ने बताया कि मंगलवार को आईआईटी छात्र आशीष शुक्ला का शव आसफनगर झाल के पास से बरामद किया किया। उन्होंने बताया कि 11 तारीख को आईआईटी में मैनेजमेंट द्वितीय वर्ष का छात्र आशीष शुक्ला गंगनहर में डूबकर लापता हो गया था। उसकी तलाश लगातार की जा रही थी। मंगलवार को आशीष का शव बरामद कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

शांति पूर्ण ढंग से हुई शुरू सीबीएससी बोर्ड परीक्षा

चमोली। मगंलवार से ब्लॉक के अटल उत्कृष्ट आदर्श विद्यालयों में सीबीएससी बोर्ड की हाईस्कूल की परीक्षाएं शुरू हो गई है। पहले दिन गणित की परीक्षा में कर्णप्रयाग के जीआईसी सिमली में अध्ययनरत 44 छात्र–छात्राओं में से 43 ने प्रतिभाग किया। जीआईसी नैनीसैंण में 29 और एसजीआरआर कर्णप्रयाग में 94 छात्र–छात्राओं ने परीक्षा में प्रतिभाग किया।

इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो नवाचार और इरादों का शक्तिशाली संगम:मोदी

नई दिल्ली , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 की मुख्य विशेषताओं को साझा करते हुए कहा कि यह विचारों, नवाचार और इरादों का एक शक्तिशाली संगम था। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 विचारों, नवाचार और इरादों का एक शक्तिशाली संगम था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इसने वैश्विक भलाई के लिए एआई के भविष्य को आकार देने में भारतीय प्रतिभा की असाधारण क्षमता को प्रदर्शित किया। सबसे बढ़कर, इसने मानव प्रगति के लिए एआई का जिम्मेदारपूर्वक, समावेशी रूप से और व्यापक स्तर पर उपयोग करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इससे पहले सोमवार को, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन किया और कहा कि एआई में भारत की प्रगति न केवल देश के लिए परिवर्तनकारी समाधानों को आकार देगी बल्कि वैश्विक उन्नति में भी योगदान देगी। पीएम मोदी ने कहा कि नवप्रवर्तकों, शोधकर्ताओं और तकनीकी उत्साही लोगों के बीच रहने से एआई, भारतीय प्रतिभा और नवाचार की असाधारण क्षमता की झलक मिलती है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा था, हम मिलकर न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी समाधान तैयार करेंगे।

यह एक्सपो इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ आयोजित किया जा रहा है, जो ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक एआई सम्मेलन है और इसमें अभूतपूर्व भागीदारी देखी जा रही है, जिसमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 वैश्विक एआई नेता भाग लेने वाले हैं। इस बीच, सोमवार से शुरू हुए इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों, मंत्रियों, वैश्विक प्रौद्योगिकी नेताओं, प्रख्यात शोधकर्ताओं, बहुपक्षीय संस्थानों और उद्योग जगत के हितधारकों को एक साथ लाया गया ताकि समावेशी विकास को आगे बढ़ाने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम बनाने में एआई की भूमिका पर विचार–विमर्श किया जा सके। साथ ही, यह पहली बार है कि इस मुद्दे पर इतने बड़े पैमाने पर वैश्विक सम्मेलन का आयोजन ग्लोबल साउथ में किया जा रहा है।

सड़क दुर्घटना में कर्मचारी की मौत, कार चालक फरार

हरिद्वार। हरिद्वार रोड पर बेकाबू कार की टक्कर से स्कूटर सवार युवक की मौत हो गई, जबकि कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, अल्मोड़ा स्थित सोमेश्वर क्षेत्र के बिल बाली बोन्थ निवासी दीपक गोस्वामी (39) वर्तमान में टिहरी विस्थापित शिवालिकनगर में रह रहे थे। वे पतंजलि के पास एक कंपनी में कार्यरत थे। सोमवार देर रात ड्यूटी के बाद वे स्कूटर से घर लौट रहे थे। हरिद्वार रोड पर बीएचईएल तिराहे के पास सामने से तेज गति से आ रही कार ने उनको टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दीपक को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस हादसे के बाद कार को मौके पर छोड़ चालक फरार हो गया। पुलिस ने कार कब्जे में लेकर बहादराबाद थाने में खड़ी करवा दी है। शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह ने बताया कि परिजनों को सूचना दे दी गई है।

एसडीडीए ने रिस्पना नदी किनारे बसे 116 परिवारों को थमाएं नोटिस

देहरादून : मसूरी देहरादून डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमडीडीए) ने रिस्पना नदी किनारे बसी काठ बंगला कॉलोनी के 116 परिवारों को तीनों दिनों के भीतर देहरादून नगर निगम द्वारा बनाए गए हाउसिंग फ्लैट्स में शिफ्ट होने का नोटिस जारी किया है। ताजा नोटिस मिलने के बाद कॉलोनी में रहने वाले लोगों के बीच हड़कंप मच गया है। नोटिस रविवार को चस्पा किए गए हैं जिसमें कहा गया है कि परिवारों को बुधवार तक आवंटित फ्लैट में शिफ्ट होना होगा। नोटिस में ये भी जानकारी दी गई है कि गुरुवार को काठ बंगला में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। नोटिस में नगर निगम द्वारा बनाए गए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्लूएस) आवास योजना के तहत फ्लैट पाने वाले पात्र परिवारों की जानकारी दी गई है। मालूम हो कि बीते साल नवंबर में भी इसी तरह का नोटिस जारी किया गया था, जिसमें कॉलोनी के निवासियों को 15 दिन का समय दिया गया था। ताजा नोटिस में निवासियों को बताया गया है कि ह्यनेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के

निर्देशों के तहत नदी किनारे बाढ़ क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण को हटाया जाना है। इसके लिए एमडीडीए, नगर निगम, राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन ने आपसी चर्चा के बाद 116 परिवारों को निगम द्वारा बनाए गए फ्लैट आवंटित कर दिए हैं। इन फ्लैटों में बिजली, पानी और सीवर जैसी सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

पूर्व में भी दो बार जारी हो चुके है नोटिस

नगर पालिका आयुक्त नममी बंसल ने भी पुष्टि की कि फ्लैट रहने के लिए तैयार हैं और देरी इसलिए हुई क्योंकि जल संस्थान के साथ बातचीत जारी थी, लेकिन अब ये समस्या सुलझा ली गई है। एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा है कि कॉलोनी में रह रहे परिवारों को इससे पहले दो नोटिस जारी किए जा चुके हैं और उन्हें मकान खाली करने के लिए काफी समय पहले ही दिया जा चुका है। वहीं निवासियों का कहना है कि ये कैसे संभव है कि अगले तीन दिनों के भीतर अपना घर छोड़कर फ्लैट में शिफ्ट किया जाए। आपको बता दें कि बीते साल एमडीडीए ने काठ बंगला बस्ती में अवैध कब्जों पर कार्रवाई की थी। जेसीबी से 26 मकान ध्वस्त कर दिए गए थे। हालांकि इसके बाद लोगों में आक्रोश देखा गया और विरोध के बाद कार्रवाई को रोक दिया गया था। प्रशासन 100 और मकान पर बुलडोजर चलाने की तैयारी में था। (एजेंसी)

मातृशक्ति के योगदान से समाज और राष्ट्र सशक्तः सीएम धामी

देहरादून। राजकीय दून मेडिकल कॉलेज, पटेल नगर, देहरादून में विश्वमांगल्य सभा के तत्वाधान में आयोजित 'मातृ संस्कार समागम' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशभर से आई मातृशक्ति का अभिनंदन करते हुए उनके प्रति सम्मान प्रकट किया। मुख्यमंत्री धामी ने अपने बचपन और निजी जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनका जीवन किसी विशेष सुविधा से नहीं, बल्कि संघर्ष, अनुशासन और संस्कारों की पूंजी से बना है। साधारण परिवार में पले–बढ़े होने के कारण उन्होंने मेहनत, ईमानदारी और आत्मनिर्भरता का महत्व प्रारंभ से ही समझा। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बीच बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने का संकल्प ही उनके व्यक्तित्व की असली ताकत बना। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऊँचा पद या प्रतिष्ठा नहीं,

बल्कि मजबूत चरित्र और स्पष्ट उद्देश्य ही व्यक्ति को महान बनाते हैं। सादगी, संयम और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना उनके निर्णयों का आधार रही है। धामी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में माता का स्थान सर्वोच्च है और मातृशक्ति परिवार की धुरी है। यदि परिवार सशक्त होगा तो समाज और राष्ट्र भी सशक्त होंगे। मुख्यमंत्री ने प्रभु श्रीराम एवं माता कौशल्या, भगवान श्रीकृष्ण एवं माता यशोदा तथा छत्रपति शिवाजी महाराज एवं माता जीजाबाई के उदाहरण देते हुए कहा कि इन महान विभूतियों के व्यक्तित्व निर्माण में मातृसंस्कारों की निर्णायक भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि माता द्वारा दिए गए संस्कार ही व्यक्ति के चरित्र, विचार और व्यवहार की नींव रखते हैं। धामी ने आधुनिक जीवनशैली और पारिवारिक मूल्यों के बीच संतुलन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवारों का स्वरूप सीमित हुआ है और एकल परिवारों का प्रचलन बढ़ा है, जिससे संवाद और आत्मीयता प्रभावित हुई है। विवाह–विच्छेद की बढ़ती घटनाओं को उन्होंने सामाजिक बदलाव का संकेत बताया और 'कुटुंब प्रबोधन' की अवधारणा को समय की मांग कहा। कार्यक्रम में गीता धामी ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक सेवा ही मानवीय जीवन का मूल है और जब सेवा परिवार की परंपरा बन जाती है तो उसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है।

नागदा में भीषण सड़क हादसा : दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर में तीन युवकों की मौत

नागदा (उज्जैन),मध्य प्रदेश के नागदा में शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की जान चली गई। हादसा नागदा–महिदपुर रोड पर रूपेटा गांव के समीप हुआ, जहां दो बाइकों की आमने–सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक बाइक पर इंदौर जिले के देपालपुर निवासी आबेद और अनवर सवार थे, जबकि दूसरी बाइक पर डाक विभाग के कर्मचारी राहुल गुर्जर सवार थे। बताया जा रहा है कि दोनों बाइकें तेज रफ्तार में थीं और अचानक आमने–सामने आ गईं, जिससे भयंकर टक्कर हो गई। हादसे के तुरंत बाद राहगीरों ने 112 इमरजेंसी नंबर पर सूचना दी। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। यह दुर्घटना नागदा मंडी थाना क्षेत्र में हुई। प्रारंभिक जांच में ओवर स्पीडिंग और संभवतः लेन क्रॉसिंग को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

चारधाम रूट पर दौड़ेंगी दो हजार बसें

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों को सुगम आवागमन के लिए संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति भी तैयारियों में जुट गई है। इस बार दस निजी परिवहन कंपनियों को मिलाकर रोटेशन बनाया गया है, जिसमें लगभग दो हजार बसें चारधाम रूट पर दौड़ेंगी। यात्रा रूटों पर बसों को दौड़ाने से पूर्व उनकी आवश्यक मरम्मत का कार्य भी तेजी से चल रहा है। यात्रा बस अड्डे में नई बसों के चेचिस पर भी मैकेनिक बॉडी बनाने के काम जुटे हैं। बसों के टायर, ब्रेक और इंजन को पूरी तरह से फिट किया जा रहा है, जिससे कि देश–दुनिया से चारधाम दर्शन के लिए पहुंचने वाले यात्रियों को सुरक्षित यात्रा कराई जा सके। संयुक्त रोटेशन में हरिद्वार की निजी कंपनी भी जुड़ने से समिति से जुड़े सदस्यों को इस साल की यात्रा में आर्थिक स्थिति बेहतर होने की उम्मीद भी जगी है। समिति में फिलहाल अध्यक्ष के तौर पर भास्करानंद भारद्वाज को अध्यक्ष चुना गया है, जबकि हर कंपनी से एक

सदस्य को उपाध्यक्ष भी मनोनीत किया जाना है, जिसके लिए 26 फरवरी को बैठक प्रस्तावित की गई है। यह आयोजन ऋषिकेश में ही किया जाएगा, जिसके बाद समिति के उपाध्यक्षों की नामों की घोषणा भी होगी। समिति अध्यक्ष भास्करानंद ने बताया कि यात्रियों को सुरक्षित चारधाम यात्रा कराने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। इस बार कंपनियों की करीब दो हजार बसों को चारधाम यात्रा के लिए रिजर्व रखने का प्रयास है, जिससे कि देश–विदेश से यहां बस के माध्यम से धामों की यात्रा करने वाले हर तीर्थयात्री को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

फाल्गुन अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने किया गंगा स्नान

ऋषिकेश। फाल्गुन अमावस्या पर तीर्थनगरी ऋषिकेश में गंगा स्नान को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। फाल्गुनी अमावस्या के अवसर पर तीर्थनगरी ऋषिकेश के गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं का पहुंचना मंगलवार तड़के से शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं का गंगा स्नान सुबह से दोपहर तक गंगा स्नान चलता रहा। ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट, दत्तात्रेय घाट, साईं घाट, नाव घाट, रामानंद घाट, आवास विकास गंगा घाट, मुनिकीरेती में दयानंद घाट, शत्रुघ्न घाट, स्वर्गाश्रम में सीता घाट, परमार्थ निकेतन घाट आदि जगहों पर श्रद्धालुओं की भीड़ दिखी। यहां अधिकांश श्रद्धालुओं ने मंगलवार तड़के ब्रहम मुहुर्त में गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। विभिन्न जगहों पर श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्म शान्ति के लिये पूजा–अर्चना और पिंड दान किया।

गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने विभिन्न जगहों पर स्थित मंदिरों में जाकर दर्शन कर पुण्य कमाया। इस दौरान गंगा घाटों पर सुरक्षा की दृष्ट से जल पुलिस भी तैनात रही। श्री वीर वर दायक काले हनुमान मंदिर के महंत रामकृपाल दास ने बताया कि इस दिन गंगा स्नान कर सूर्य देव को अर्घ्य देने, पितरों को तर्पण करने के साथ ही भोलेनाथ की पूजा करने से मनोवांछित फल प्राप्त होते हैं। जीवन में खुशहाली आती है।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस में बड़ा खुलासा, इस साजिश के पीछे बिश्नोई गैंग

मुंबई , बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास पर हुई फायरिंग के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जांच में सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि इस हमले की साजिश बिश्नोई गैंग के महाराष्ट्र प्रमुख शुभम लोनकर और उसके भाई प्रवीण लोनकर ने रची थी। खास बात यह है कि प्रवीण लोनकर इस वक्त बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में जेल में बंद है। इसके बावजूद उसने रोहित शेट्टी पर हमले के लिए हथियार और आर्थिक मदद मुहैया कराई। क्राइम ब्रांच को शक है कि प्रवीण लोनकर ने जेल में रहते हुए ही इस पूरे अपराध का नेटवर्क तैयार किया। पुलिस के अनुसार, इस साजिश में शामिल मुख्य शूटर समेत अब तक पुणे, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रवीण लोनकर फिलहाल न्यायिक हिरासत में है और जल्द ही उसे इस मामले में औपचारिक रूप से पुलिस कस्टडी में लिया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल, पिस्तौल और हमले के लिए जरूरी रकम प्रवीण लोनकर के निर्देश पर ही उपलब्ध कराई गई थी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जेल में बंद रहते हुए प्रवीण ने यह सब कैसे मैनेज किया।

अब टिहरी और रुद्रप्रयाग जिला न्यायालय में बम की खबर

पुलिस और एलआईयू की टीम ने खंगाला पूरा कोर्ट

नई टिहरी। उत्तरकाशी और नैनीताल के बाद आज टिहरी और रुद्रप्रयाग जिला न्यायालय की आधिकारिक ई–मेल पर बम की सूचना मिलने से हड़कंप मच गया। खंगाला गया। पुलिस ने परिसर को खाली करवाकर बम निरोधक दस्ता और डॉग स्कवाड से निरीक्षण किया। पुलिस और एलआईयू की टीम न्यायालय पहुंची और हर कोना खंगाला। प्राथमिक जांच में कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जिससे पुलिस और कोर्ट न्यायविदों के साथ ही वकीलों ने राहत की सांस ली है। अभी भी पुलिस जांच में जुटी हुई है। नई टिहरी जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल मिश्रा और सीओ टिहरी महेश लखेड़ा ने बताया कि कोर्ट में बम रखने की मेल आई थी। जिस पूरे कोर्ट परिसर को देखा गया। कही कुछ नहीं मिला है। हालांकि हम नजर बनाए हुए हैं। उत्तरकाशी जिला न्यायालय में भी मिली थी बम की सूचनाः बता दें, उत्तरकाशी जिला न्यायालय की आधिकारिक ई–मेल

आईडी पर भी सोमवार को कोर्ट में बम और आरडीएक्स की सूचना के बाद परिसर में अफरातफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूरे परिसर को खाली कर-ाकर जांच की। मामले की गंभीरता को देखते हुए बम निरोधक दस्ता, एसटीएफ और खुफिया एजेंसी भी मौके पर पहुंच गई, हालांकि खबर लिखे जाने तक परिसर में कुछ संदिग्ध नहीं मिला। इस संबंध में पुलिस की ओर से मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह जिला न्यायालय की ई–मेल आईडी पर एक धमकी भरा मेल आया। उसमें लिखा था कि कोर्ट परिसर में करीब 12 किलो आरडीएक्स बम लगाया गया है। इस पर कोर्ट में डर के साथ ही अफरा–तफरी का माहौल बन गया। कोर्ट की ओर से तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद एसपी कमलेश उपाध्याय मय फोर्स मौके पर पहुंचीं। उन्होंने कोर्ट परिसर को खाली करवाया। साथ ही कोर्ट रोड पर भी वाहनों की आवाजाही को रोक दिया गया। भारी पुलिस बल के साथ अग्निशमन दस्ता तैनात किया गया। यही नहीं देहरादून से बम निरोधक दस्ते ने भी मौके पर पहुंचकर कोर्ट परिसर में खोजबीन शुरू कर दी जो देर शाम तक चलती रही। एसपी कमलेश उपाध्याय ने बताया कि जिला न्यायालय की ई–मेल आईडी पर बम होने की धमकी के बाद कोर्ट परिसर को खाली कराकर एसटीएफ और खुफिया एजेंसी जांच कर रही है।

ड्रैगन के लिए एफडीआई नियमों में ढील देने की तैयारी में मोदी सरकार

सीमा पर पिघली बर्फ, अब व्यापार की बारी!

नई दिल्ली , भारत और चीन के रिश्तों पर जमी बर्फ अब धीरे–धीरे पिघलती नजर आ रही है। सीमा पर तनाव कम होने के साथ ही मोदी सरकार अब आर्थिक मोर्चे पर भी एक बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केंद्र सरकार चीन से आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नियमों में ढील देने पर गंभीरता से विचार कर रही है। अप्रैल 2020 में 'प्रेस नोट 3झ् के जरिए जिन चीनी निवेशों पर सख्त पाबंदियां लगाई गई थीं, उन्हें अब कुछ शर्तों के साथ दोबारा खोलने की चर्चा तेज हो गई है। सरकार के इस संभावित फैसले का सीधा और सकारात्मक असर भारत की मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री और 'मेक इन इंडिया अभियान पर पड़ेगा।

छोटे निवेशों को मिल सकती है 'ऑटोमैटिक मंजूरी

सरकार मुख्य रूप से इस बात का आकलन कर रही है कि क्या चीन जैसे पड़ोसी देशों से आने वाले छोटे निवेशों को ऑटोमैटिक रूट से मंजूरी दी जा सकती है। इस पूरे मामले की जड़ साल 2020 में जारी हुए 'प्रेस नोट 3 में छिपी है। जब सीमा पर तनाव अपने चरम पर था, तब भारत सरकार ने यह नियम बनाया था कि सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले किसी भी निवेश के लिए सरकार की पूर्व मंजूरी अनिवार्य होगी। इसका मुख्य मकसद भारतीय कंपनियों को चीनी अधिग्रहण से बचाना था। लेकिन अब सरकार एक 'डी मिनिमिस्

(न्यूनतम) सीमा तय करने पर विचार कर रही है। इसका अर्थ यह है कि अगर कोई चीनी निवेश एक निश्चित छोटी रकम या हिस्सेदारी तक सीमित रहता है, तो उसे सरकारी मंजूरी की लंबी और जटिल प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा। हालांकि, यह स्पष्ट कर दिया गया है कि प्रेस नोट 3 को पूरी तरह खत्म नहीं किया जाएगा, बल्कि उसमें केवल व्यावहारिक ढील दी जाएगी।

हिस्सेदारी 26 तक, लेकिन कंट्रोल रहेगा भारतीय हाथों में

भारतीय बाजार और इंडस्ट्री की नब्ज को समझने वाली घरेलू कंपनियां पिछले कुछ महीनों से सरकार को इसके लिए लगातार संकेत दे रही हैं। विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर की कंपनियों ने सरकार से अपील की है कि चीनी कंपनियों के साथ ज्वाइंट वेंचर की अनुमति दी जाए। इन कंपनियों का तर्क बेहद व्यावहारिक है कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए चीनी सप्लाई चेन और उनकी एडवांस टेक्नोलॉजी की सख्त जरूरत है। इंडस्ट्री ने सरकार को एक बीच का रास्ता सुझाया है, जिसके तहत चीनी कंपनियों को ज्वाइंट वेंचर में अधिकतम 26 प्रतिशत हिस्सेदारी की अनुमति दी जा सकती है। यह आंकड़ा इसलिए अहम है क्योंकि इससे चीनी कंपनियों को बाजार का फायदा तो मिलेगा, लेकिन कंपनी का पूरा प्रशासनिक और रणनीतिक कंट्रोल भारतीय हाथों में ही सुरक्षित रहेगा।

चीन के पैसे से रफ्तार पकड़ेगा 'मेक इन इंडिया

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य साजिद चिनॉय ने भी हाल ही में इस दिशा में एक महत्वपूर्ण तर्क दिया था। उनका मानना है कि चीन से आने वाले सामानों पर सिर्फ आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने से लंबी अवधि में काम नहीं चलेगा। इसके बजाय, भारत को चीनी निवेश को सावधानीपूर्वक अनुमति देनी चाहिए। इसके पीछे का अर्थशास्त्र यह है कि अगर चीनी कंपनियां भारत में आकर पूंजी लगाएंगी और अपनी फैक्ट्रियां खोलेंगी, तो इससे सीधे तौर पर भारत की घरेलू उत्पादन क्षमता में इजाफा होगा। देश आयात पर निर्भर रहने के बजाय अपनी खुद की वैल्यू चेन विकसित कर सकेगा। 'मेक इन इंडियाझ् का भी यही असली मकसद है कि निवेश भले ही सरहद पार से आए, लेकिन रोजगार के अवसर और फैक्ट्रियां भारत की जमीन पर ही स्थापित होनी चाहिए। दूसरी ओर, चीन की अपनी मजबूरियां भी हैं। सुस्त पड़ती घरेलू अर्थव्यवस्था और पश्चिमी देशों के सख्त रवैये के कारण चीनी कंपनियां भारत को एक सुरक्षित और तेजी से बढ़ते बाजार के रूप में देख रही हैं।

सम्पादकीय

रईसजादों के आगे बेबस कानून

हमारे देश में यातायात प्रबंधन और उससे जुड़े कानून की क्या स्थिति है यह किसी से छिपा नहीं है। सड़कों पर स्टंट करने वाले रईसजादे अक्सर किसी को भी मौत के घाट उतार देते हैं और उसके बाद कानूनी प्रक्रिया का जो खेल शुरू होता है उसमें जल्दी आरोपियों को न केवल जमानत मिल जाती है बल्कि पीड़ित या फिर पीड़ित परिवार को न्याय के लिए न जाने कितने सालों की प्रतीक्षा करनी पड़ती है। न्याय मिला तो ठीक अन्यथा देश के काबिल वकील यह भी साबित करने में सफल हो जाते हैं की जिसे आरोपी बनाया गया है वह तो वहां चल ही नहीं रहा था। दिल्ली का एक ऐसा ही मामला पूरे देश में चर्चा में है जिसमें एक महंगी कार से एक मां के खिलौने बेटे को टक्कर मारकर मौत की घाट उतार दिया गया। कार चलाने वाले पर मुकदमा दर्ज हुआ लेकिन भले ही किसी के घर का चिराग बुझ गया लेकिन कार सवार को आसानी से जमानत भी मिल गई। मृतक युवक की मां आज उसे पल को कोस खोज रही है जब उसके बेटे ने अपनी मां के कहने पर भारत देश से कहीं और जाने के लिए हामी नहीं भरी। मां आज सोशल मीडिया पर व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठा रही है और रो–रो कर कह रही है कि उसके बेटे ने उनकी बात मान ली होती। तो आज उसकी आंखों के सामने होता। असल में हमारे देश के अंदर दुर्घटना से जुड़े कानून की स्थिति यही है जिसमें यदि आरोपी के पास बेशुमार धन दौलत या फिर वह प्रभावशाली व्यक्ति हो तो दो चार मौतों की वह परवाह भी नहीं करता। इस मां भी बेहद कठिनाइयां झेल कर 23 साल तक अपने बेटे को पाला था, और हमेशा वह कहती रही की वो इस कंट्री में नहीं रहे। जिस एसयूवी से युवक की बाइक में टक्कर लगी, उस पर पहले से 13 चालान थे और ये सभी चालान ओवर स्पीड के हैं। एक युवक की सड़क पर मौत हो गई और आरोपी को अंतरिम जमानत भी मिल गई है। मां और जानने वाले तो इसी बात से हैरान है कि क्या उनके साथ निष्पक्ष न्याय हुआ? हादसे में युवक की मौत की यह घटना और उसके बाद उनकी मां की चीखें सिस्टम पर बड़ा सवाल कर रही है कि आखिर हमारी व्यवस्था कब सुधरेगी। दुर्घटनाओं में हो रही इस तरह की मौते कब थमेगी। कब एक मां को यह नहीं कहना पड़ेगा कि बेटा तू भारत छोड़ कर कहीं और चला जा। यह हालात शायद कभी भी न सुधरें है क्योंकि हमारे देश का कानून ही कुछ ऐसा है कि भले ही रईसजादे आम लोगों को सड़कों पर कुचल दें लेकिन उनकी तिजोरियों में भरा पैसा उन्हें बेकसूर साबित करने में सफल हो ही जाता है।

विश्व–रंग: फ्रिट्ज हाबर : रासायनिक युद्ध का जनक वैज्ञानिक

डॉ. सुधीर सक्सेना

वह कुलीन यहूदी परिवार में जन्मा था। पिता नगर के धनाढ्य और गणमान्य व्यक्ति थे। वह कुल चार भाई–बहन थे। वह कुशाग्र बुद्धि था और उसमें बचपन से ही कुछ नया और अलहदा कर गुजरने की तड़प थी। पिता चाहते थे कि बेटा उनके नक्शे–पा चले, लेकिन पूत के पाँव पालने में देख उन्होंने उसकी इच्छापूर्ति में बाधा नहीं डाली।

पूरा नाम फ्रिट्ज जैकब हाबर। जन्म हुआ 9 दिसंबर, सन 1868 को उत्तरी जर्मन परिसंघ के प्रूशिया साम्राज्य के सिलेसिया प्रांत में ब्रेस्लाऊ में व्यापारिक घराने में। हैबर–परिवार ब्रेस्लाऊ के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित परिवारों में एक था। पिता सिग्फ्राइड और माँ पौला की दो ही संतानें थीं : पुत्र फ्रिट्ज और पुत्री एल्सी। पुत्र फ्रिट्ज बड़ा होकर सफल और विख्यात वैज्ञानिक बना। अपार शोहरत। अपार धन। वह गजब का कीमियागर था। फलतः उसे सन 1918 में रसायन–विज्ञान का नोबेल पुरस्कार मिला। हैबर–बॉश प्रक्रिया के लिए इस पुरस्कार मिला। उसे हैबर–बॉश प्रक्रिया के लिए इस पुरस्कार से नवाजा गया। यह प्रक्रिया रसायन–उद्योग में नाइट्रोजन और हाइड्रोजन गैस से अमोनिया के संश्लेषण में प्रयुक्त विधि है। मार्के की बात यह है कि हैबर ने अपने आविष्कार से फसलों और युद्ध का नक्शा बदल दिया। एक ओर जहां उसकी ईजाद से अन्न उत्पादन में कई गुना इजाफा हुआ, वहीं उसका आविष्कार युद्ध के मोर्चे पर फतह और अनगिन मौतों का बायस बना। उसकी वैज्ञानिक विरासत खेतों में विपुल उत्पादन से करोड़ों लोगों को भोजन मुहैया करने तक ही नहीं फैली है, बल्कि वह लाखों निर्दोषों और निरपराधों की गैस चैंबरों में मौत के जघन्य पाप तक फैली हुई है।

फिटज हाबर की जीवन गाथा में नेकी और बदी की चरम इच्छाओं के उजले और स्याह धागे आपस में भी संशिलष्ट है। उसका वैवाहिक जीवन अशांति और अनहोनी से बिंधा रहा और उसका अंत एकाकीपन में वतन से दूर हुआ। यही नहीं, उसने लानतें झेलीं और तिरस्कार भी। वह हिटलर का प्रशंसक और भक्त था तथा स्वयं को गर्व से राष्ट्रवादी जर्मन कहता था। उसने यहूदी धर्म का परित्याग कर बपतिस्मा भी ले लिया था, लेकिन नाजियों ने उसे अपना नहीं माना। विवश होकर उसे जर्मनी छोड़ना पड़ा। यही नहीं, उसने घातक रसायनों के जरिये मौत का जो खतरनाक खेल ईजाद किया था, उसकी नृशंस और वीभत्स परिणति भयावह होलोकास्ट में हुई। नाजियों ने गैस चैंबरों के जरिये लाखों यहूदियों को निर्दयतापूर्वक मौत के घाट उतार दिया।

विश्व इतिहास में चुनिंदा वैज्ञानिकों में शुमार फ्रिट्ज हाबर को केमिकल वारफेयर (रासायनिक युद्ध कर्म) के जनक के तौर पर याद किया जाता है। फ्रिट्ज के पिता का रंग–रोगन, दवा और रंगाई का कारखाना था और वह चाहते थे कि बेटा उनका कारोबार संभाले, लेकिन बेटा कीमियागर बनने को आतुर था। परिवार कर्मकांडी न होकर भी यहूदी था, लिहाजा जोहानियम स्कूल में प्राथमिक शिक्षा के बाद वह जिस सेंट एलिजाबेथ स्कूल में भर्ती हुआ, वहां प्रोटेस्टैंटों और यहूदियों के लिए पृथक कक्षाओं की व्यवस्था थी। परिवार व अन्य यहूदियों के विपरीत फ्रिट्ज स्वयं को सगर्व जर्मन दर्शाता था। वहां से निकलने पर पिता ने उसकी इच्छानुरूप उसे रसायन विज्ञान पढ़ने के लिए बर्लिन स्थित फ्रैड्रिख विल्हेम यूनिवर्सिटी में भेज दिया। पहले सेमिस्टर की हताशा उसे सन 1887 की ग्रीष्म में हाइडेलबर्ग विश्वविद्यालय ले गयी, जहां उसे राबर्ट बुन्सेन ने पढ़ाया। वहां से वह बर्लिन लौटकर टेक्नीशे होष्शूले शालोटेन्बर्ग में भर्ती हुआ। सन 1889 में सैन्य नोंदणी के बाद वह छठवीं फील्ट आर्टिलरी रेजीमेंट में एक वर्ष की वालंटियर सेवा में भर्ती हो गया। एक साल बाद वह शालोटेन्बर्ग लौटा और कार्ल लीबरमान का शिष्यत्व ग्रहण कर लिया। कार्ल के कार्बनिक रसायन के लेक्चरों के साथ–साथ वह रंगों की रसायन प्रौद्योगिकी पर आटो बिट्ट के लेक्चर भी अटेन्ड करता था। लीबरमैन द्वारा प्रदत्त विषय पर गहन शोध के फलस्वरूप उसे मई, 1891 में यूनिवर्सिटी ऑफ बर्लिन से डॉक्टरेट की उपाधि मिल गयी।

इस तरह रसायनज्ञ होकर फ्रिट्ज घर लौट आया, किंतु घर में सब सुकर न था। पिता और उनके रिश्तों में खटास थी और इसकी खासी वजह थी। हुआ यह कि फ्रिट्ज के जन्म पर पौला को प्रसव में परेशानी हुई। फलतः तीन हफ्ते बाद उसने प्राण त्याग दिये। मातृहीन फ्रिट्ज को चाचियों ने पाला। फ्रिट्ज जब छह वर्ष का हुआ, उसके व्यथित पिता ने दूसरी शादी कर ली। हेडविग हैम्बर्गर से उसे तीन बेटियां हुईं। फ्रिट्ज का जन्म और पत्नी की मौत का संदर्भ सिग्फ्राइड कभी भुला नहीं सके। फ्रिट्ज ने विमाता और बहनों से किसी तरह पटरी बिठाये रखी। रिश्ते कैसे भी रहे हों, उसे पिता के रसूख का खूब लाभ मिला। उनकी बदौलत उसे बड़े कारखानों और आसवनी में काम का मौका मिला। पिता की मनुहार कर वह एक सेमेस्टर के लिए ज्यूरिख के पॉलीटेक्नीक कॉलेज में जार्ज लुंग के साथ अध्ययन हेतु भर्ती हो गया। वहां से लौटकर पिता के काम में हाथ बँटाने वह ब्रेस्लाऊ लौटा, लेकिन पिता–पुत्र के रिश्तों में बल पड़ते गये। पिता को पुत्र का प्राकृतिक के बजाय कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल का सुझाव फला, किंतु हैजे की महामारी पर थोक में कैल्शियम हाइपोक्लोराइट खरीदने से हुये नुकसान से पुत्र को पिता ने घर से रूख्सत कर दिया।

पिता से विच्छेद के बाद उसकी नयी पारी शुरू हुई। वह स्वयं को यहूदी कम, जर्मन अधिक मानता था। सन 1892–94 के दरम्यान वह जेना विश्वविद्यालय में लुडविग नॉर का सहायक रहा। इसी दरम्यान वह यहूदी से ईसाइयत के लूथर संप्रदाय में दीक्षित हुआ। मकसद था बेहतर करियर। लुडविग ने उसकी सिफारिश काल्सरूहे विश्वविद्यालय में कार्ल एंग्लर से की और कार्ल ने हैंस बुन्हे से, जिसने उसे अपना सहायक बना लिया। वहीं उसने हाइड्रोकार्बनों की पुनर्वास थीसिस प्रस्तुत की। इस पर उसे अध्ययन का दायित्व मिला और संस्थान ने रंगरेजी की प्रौद्योगिकी के अध्ययन हेतु उसे बाहर भेजा। विद्युत रासायनिकी के उच्च अध्ययन और शोध के लिये वह एक बार फिर बाहर गया। अध्ययन और अनुसंधान तथा ख्याति का यह क्रम चलता रहा। वह असोशियेट प्रोफेसर बना और ग्रांड ड्यूक फ्रेडरिख वॉन बाडेन ने उसे एक्स्ट्राऑर्डिनेरियस से विभूषित किया। जल्द ही वह कार्ल्सरूहे में भौतिक रसायन का प्रोफेसर बन गया। सन 1894 से सन 1911 के दरम्यान लगातार प्रयोगों के बाद उसने उच्च दाब और ताप से अमोनिया के उत्प्रेरकीय–निर्माण में सफलता अर्जित की, जिससे सन 1894 में प्रस्तुत ली शतेलिये के सिद्धांत पुष्टि हुई। अमोनिया के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए उसने बास्फ के कार्ल बाश से भागीदारी की। नतीजा सार्थक रहा। औद्योगिक रसायन में हाबर–बॉश प्रक्रिया मील का पत्थर मानी गई। अब तक कृषि उत्पादन प्राकृतिक अमोनिया पर निर्भर था, कृत्रिम अमोनिया के उत्पादन ने उर्वरक–परिदृश्य को बदल दिया। अन्न उत्पादन में क्रांति हुई। अनुमान है कि इससे विश्व की आधी आबादी को भूख से निजात मिली। आज संश्लेषित नत्रजन–उर्वरकों का उत्पादन 100 मिलियन टन से ज्यादा है। विश्व की आधी से अधिक आबादी के लिए अन्न उत्पादन इन्हीं उर्वरकों पर अवलंबित है और यह हाबर–बॉश प्रक्रिया से संभव हो सका है।

यह है हाबर के व्यक्तित्व का सकारात्मक पहलू, लेकिन उसके व्यक्तित्व का एक और विलोम पहलू भी है। इसी की बदौलत उसे रासायनिक युद्धकर्म का जनक कहा जाता है। फ्रिटज को प्रथम विश्वयुद्ध में क्लोरीन और जहरीला गैसों को आयुध के तौर पर इस्तेमाल का श्रेय जाता है। उसने पहले पहल वायु से गुरू (भारी) क्लोरीन का लाम पर उपयोग की पहल की। यप्रेस की दूसरी जंग में फ्रेंच और अल्जीरियाई सैनिकों ने खंदकों का अलंध्य मोर्चा बांध रखा था। जर्मन फौजों ने क्लोरीन के गोले छोड़कर दुश्मन को मात दे दी। भारी क्लोरीन से खंदकें ढंक गयी और फौजियों का दम घुट गया। फ्रिट्ज के इस हथियार का दुश्मन के पास कोई जवाब नहीं था। यह मत सोचिये कि विश्वयुद्ध में यह वैज्ञानिक प्रयोगशाला तक सीमित रहा। प्रथम विश्वयुद्ध छिड़ने पर उत्साहपूरित फ्रिट्ज अक्टूबर, 1914 में उस मैनीफेस्टो पर दस्तखत करने वाले 92 जर्मन बुद्धिजीवियों में एक था, जिसने स्कूलों और कॉलेजों में युद्धोन्माद पैदा किया। वह सन 1907 के हेग कन्वेंशन की रसायनों के युद्ध में उपयोग की वर्जनाओं को धता बताने वालों में अग्रणी था। लैब में बैठने के बजाय वह फौज में शरीक होकर मोर्चे पर जा पहुंचा और उसने रासायनिक हमले का उत्साहपूर्वक संचालन किया। मोर्चे पर फतहयाब होने पर उसे कैप्टेन के तौर पर प्रोन्नत कर युद्ध मंत्रालय में रसायन विभाग का मुखिया बना दिया गया। बेल्जियम में यप्रेस की जंग में उसकी संलिप्तता का आभास इससे लगाया जा सकता है कि मोर्चे पर मौजूदगी के अलावा उसने इस अभियान के लिए 150 से अधिक वैज्ञानिकों और 1300 तकनीशियनों का टोला तैयार किया। ओट्टो पीटरसन की कमान में गैस युद्ध के लिए जिन दो रेजीमेंटों की भर्ती हुई, उसके परामर्शदाता हाबर और आटो हान थे। यही नहीं, हाबर ने विशेष फिल्टरयुक्त मास्क बनाने में भी अहम भूमिका निभायी, जिनसे जहरीली गैसों से बचा जा सकता था। उसने वह हाबर नियम भी प्रतिपादित किया, जिसमें जहरीली गैसों की सांद्रता और उनकी मारक क्षमता व समय में गणितीय संबंध दर्शाया गया था। उसकी मान्यता थी कि शांति के समय वैज्ञानिक विश्व का होता है, लेकिन युद्ध के दौरान वह राष्ट्र का होता है। उसका कहना था कि मौत तो मौत है। विषाक्त गैसों की युद्ध में हिमायत करते हुए उसने लोहे के उड़ते टुकड़ों (गोलियों) के मुकाबले जहरीलों गैसों को कम निर्दय बताया। उसका तर्क था कि विषाक्त गैस से मृत्यु जल्द होती है और पीड़ा कम।

रसायन को मौत का परवाना बनाने का हाबर का खौफनाक खेल यहीं खत्म नहीं होता। उसके कीमिया ने रसायन से मौत का रास्ता खोल दिया। उसका काम जाइक्लोन बी कीटनाशक विकसित करने का आधार बना। इसका इस्तेमाल होलोकास्ट में हुआ। इससे गैस चैम्बरों में दूसरे विश्वयुद्ध में लाखों यहूदी मारे गये। हाबर की जहरीली सोच के साथ उसके दांपत्य–जीवन का त्रासद प्रसंग भी जुड़ा हुआ है। सन 1889 में हाबर की मुलाकात क्लारा इम्मवाहर से हुई, जो एक शक्कर कारखाने के मालिक रसायनज्ञ की बेटी थी। क्लारा ब्रेस्लाऊ विश्वविद्यालय से केमिस्ट्री में पीएचडी पहली महिला थी। उसने भी 1897 में बपतिस्मा ले लिया था। अगस्त, 1901 में हाबर और क्लारा भी शादी हुई और अगले ही वर्ष पुत्र हर्मन का जन्म हुआ।

शादी के करीब 14 साल बाद दो मई, 1915 की बात है कि क्लारा ने हाबर से बहस के बाद बगीचे में पति की रिवॉल्वर से खुद के सीने में गोली दाग ली। अनुमान है कि यह आत्महत्या पति–पत्नी के बीच तर्क–वितर्क और तकरार का नतीजा थी। क्लारा स्वयं रसायनज्ञ थी। वह शांतिप्रिय विदुषी महिला थी और उसे नरहसंहार के लिए रसायनों का उपयोग नापसंद था। यप्रेस की लड़ाई में हाबर की भूमिका क्लारा की हताशा बनी। फ्रिट्ज के क्लोरीन–आयुध से 67,000 से अधिक जने हताहत हुये थे। बहरहाल, फ्रिट्ज पर क्लारा की खुदकुशी का कोई असर नहीं पड़ा और वह अंत्येष्टि का जिम्मा औरों पर छोड़कर रूसी सेना के खिलाफ गैस–रिलीज की देखरेख के लिए पूर्वी मोर्चे को रवाना हो गया। उस पर जर्मन राष्ट्रवाद और युद्धोन्माद तारी था। क्लारा की मौत को दो ही साल बीते थे कि फ्रिट्ज ने बर्लिन में 25 अक्टूबर को शालीट नाथन नामक महिला से शादी कर ली। एक तो उम्र का अंतर और फिर विचारों का टकराव। फलतः 6 दिसंबर, 1927 को दोनों का तलाक हो गया।

प्रथम विश्वयुद्ध में गैसयुद्ध वस्तुतः दो रसायनज्ञों का मुकाबला भी था। फ्रिट्ज का मुकाबला फ्रेंच रसायनज्ञ विक्टर ग्रिग्नार्ड से था और दोनों ही नोबेले से नवाजे गये। बहरहाल, दूसरे विश्वयुद्ध से पहले रासायनिक हथियारों के लिए हाबर की तीखी आलोचना हुई उसके आलोचकों में अल्बर्ट आइंस्टीन भी थे। विश्वयुद्ध के बाद भी फ्रिट्ज रासायनिक हथियारों के विकास में संलग्न रहा। उसे जापानी व्यावसायी होशी हाजीमे के कैसर विल्हेम सोसायटी को दान में दिये दो मिलियन राइशमार्क के प्रबंधन का दायित्व सौंपा गया। प्रत्युक्तर में हाबर ने होशी की कंपनी को अनेक रासायनिक लाइसेंसों की पेशकश की, जिसे होशी ने ठुकरा दिया।

हाबर ने दहन अभिक्रिया, अधिशोषण प्रभाव और मुक्तमूलक अनुसंधान में उल्लेखनीय कार्य किये। उसने समुद्री जल से सोने के पृथककरण पर भी महत्वपूर्ण काम किया और पाया कि यह लाभकारी नहीं होगा। उसने ये शोध बर्लिन–डालहेम स्थित कैसर विल्हेम भौतिक रसायन एवं विद्युत रसायन संस्थान में किये सन 1953 में इस संस्थान का नामकरण उसके नाम पर किया गया।संस्थान का पुनर्नामकरण तो फ्रिट्ज के देहांत के लगभग दो दशक बाद की बात है, नाजी दौर में अपने जर्मन राष्ट्रवादी होने से गर्वोन्नत्त नोबेल से नवाजे गये प्रतिभाशाली वैज्ञानिक को जीवन में बहुत कुछ भगतना पड़ा। जर्मनी में नाजीवाद के उफान ने हाबर को चिंता में डाल दिया। यह चिंता उसे अपने मित्रों, सहयोगियों और परिजनों की थी। हिटलर के जर्मन राष्ट्रवाद की रौ में कैसर विल्हेम सोसायटी के यहूदी वैज्ञानिक भी निशाने पर आ गये। एक जर्मन अखबार ने उन्हें बड़े मुनाफाखोर कोप्पेल का भतीजा बताकर यह तोहमत जड़ी कि वह संस्थान में यहूदियों की भरमार का जरिया है, जबकि हाबर को कोप्पेल से कोई वास्ता न था। लांछन से वह स्तब्ध रह गया। वह स्वयं कन्वर्टेड ईसाई था और उसने जर्मनी के लिये सब कुछ समर्पित किया था, लेकिन नाजियो ने उसे बख्शा नहीं, बल्कि सभी यहूदी कर्मियों की बर्खास्तगी का फर्मान जारी कर दिया। अब हाबर का ज्यू–डीएनए जागा। उसने अनुपालन में ढिलाई बरती कि वे सब मनमाफिक ठिकाना ढूंढ सकें। अंततः उसने 30 अप्रैल, 1933 को अपना इस्तीफा इस दलील के साथ भेजा कि धर्मान्तरित होने से वह पद पर बने रहने के हकदार हो सकते हैं, लेकिन बात बनी नहीं। हाबर और हर्मन को जर्मनी छोड़ना पड़ा। उसके और शालीट के बच्चे 1933–34 में इंग्लैंड चले गये और ब्रिटिश नागरिक बन गये। अगस्त, 1933 में हाबर ने भी हताशा में डाहलेम छोड़ दिया और कुछ अर्सा पेरिस, स्पेन और स्विटजरलैंड में रहा। नियति अपना खेल खेल रही थी। युद्ध में जहरीली गैसों का प्रणेता फ्रांस और इंग्लैंड जाने को बाध्य था। मनोघात गहरा था। उसे एन्जाइना के दौरे पड़ने लगे। सेहत ने दगा दे दी। समवयस्क और समकक्ष वैज्ञानिकों ने उसकी जर्मनी छोड़ने में न सिर्फ मदद की, बल्कि हेरोल्ड हार्टले, सर विलियम जैक्सन पोप, फ्रेडरिक डोनन जैसे साइंसदांओं ने अधिकारिक तौर पर उसे कैंब्रिज में आमंत्रित करने की व्यवस्था की। हाबर अपने सहायक जोसेफ जोशुआ वीस के साथ कुछ माह वहां रहा और काम भी किया, लेकिन भीतर–बाहर सब कुछ सामान्य न था। कुछ वैज्ञानिकों की नजर में हाबर अपने कृत्यों से अक्षम्य पाप कर चुका था और पाप मोचन का कोई मार्ग न था। अर्नेस्ट रदरफोर्ड ने इसी से उससे हाथ मिलाने से इंकार कर दिया। घड़ी के कांटे तेजी से घूम रहे थे। जर्मनी के दरवाजे उसके लिये बंद थे। उसकी राष्ट्रभक्ति नाजियों के लिये बेमानी थी। चैम बीजमैन सन 1933 में संक्षिप्त प्रवास पर इंग्लैंड आये तो उन्होंने फिलिस्तीन में रेहोवाट में सीफ रिसर्च इंस्टीट्यूट (अब वीजमैन इंस्टीट्यूट) में निदेशक का प्रस्ताव रखा। इसे स्वीकार कर हाबर अपनी सौतेली बहन एल्सी फेयहन के साथ मध्यपूर्व के लिए रवाना हुआ। उसकी सेहत लगातार बिगड़ रही थी। 29 जनवरी सन 1934 को सर्द मौसम में यात्रा के दौरान बेसल के एक होटल में उसका हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया।मृत्यु के समय फ्रिट्ज की आयु मात्र 65 वर्ष थी। यदि जर्मनी में नाजीवाद का अभ्युदय नहीं होता तो शायद वह दीर्घायु होता और उसने कुछ और आविष्कार किये होते। उसकी प्रतिभा कि उसे अमेरिका और सोवियत संघ ने पदकों से सम्मानित किया और इंग्लैंड जैसे शत्रु–राष्ट्र में उसे शरण मिली। बहरहाल, उसकी शोकांतिका के साथ कुछ क्षेपक भी जुड़े हुये हैं। उसकी इच्छानुसार उसके पुत्र हर्मन ने 29 सितंबर 1934 को उसके कफन–दफन की व्यवस्था की।

धुरंधर ने रचा इतिहास, बनी भारत की सबसे लंबी ट्रेंड करने वाली फिल्म छावा

आदित्य धर की धुरंधर को थिएटर में रिलीज हुए दो महीने से ज्यादा हो गए हैं। रणवीर सिंह की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और यह अब तक की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बन गई है। यह शानदार कमाई जबरदस्त वर्ड ऑफ माउथ की वजह से मुमकिन हुई, जिससे धुरंधर हर हफ्ते इंडियन बॉक्स ऑफिस पर नंबर वन फिल्म बनी रही। यह फिल्म रिलीज होने के बाद से ही ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म बुकमायशो पर ट्रेंड कर रही है। असल में यह अब प्लेटफॉर्म पर सबसे लंबे समय तक ट्रेंड करने वाली इंडियन फिल्म है।

सैकनिल्क के मुताबिक, फरवरी के बीच तक धुरंधर बुकमायशो पर 59 दिनों तक ट्रेंड कर रही थी, जिसने 2025 की शुरुआत में विक्की कौशल की फिल्म छावा के 58 दिनों के ऑल–टाइम रिकॉर्ड को पार कर लिया। दोनों फिल्में काफी हद तक वर्ड ऑफ माउथ पर निर्भर थीं और दूसरे और तीसरे हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए, जिससे टॉप भारतीय फिल्मों की तुलना में थिएटर में ज्यादा समय तक टिकीं। स्त्री 2 वर्ड ऑफ माउथ से चलने वाली एक और ब्लॉकबस्टर है, जो 57 दिनों के साथ तीसरे स्थान पर है।

बुकमायशो के मुताबिक, ज्यादातर फिल्मों की टिकट बिक्री का आधा हिस्सा प्लेट-फॉर्म पर होता है। प्लेटफॉर्म पर सबसे लंबे समय तक ट्रेंड करने वाली टॉप दस फिल्मों की लिस्ट में हाल की बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर और मलयालम की हिट फिल्में भी शामिल हैं।

टी–20 विश्व कप 2026: जोश हेजलवुड की जगह स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हुए

नईदिल्ली, । प्रमुख बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को टी–20 विश्व कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल कर लिया गया है। उन्हें तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह टीम में जोड़ा गया है। बता दें कि हेजलवुड अकिलीज और हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए स्मिथ के टीम से जुड़ने की पुष्टि की है। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं। स्मिथ लंबे समय से टी–20 अंतरराष्ट्रीय में नहीं खेले हैं। वह आखिरी बार फरवरी 2024 में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ खेलते हुए नजर आए थे। स्मिथ ने अपने टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर में अब तक 67 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 24.86 की औसत और 125.45 की स्ट्राइक रेट के साथ कुल 1,094 रन बनाए हैं। इस बीच वह 90 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 5 अर्धशतक अपने नाम कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया टीम के चयनकर्ता टोनी डोडेमेड ने कहा, हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर–8 स्टेज तक मैच फिटनेस में वापस आ जाएंगे, लेकिन नए संकेतों से पता चलता है कि उसे अभी कुछ समय लगेगा। ऑस्ट्रेलिया की टीम चोटों से परेशान है।

टी–20 विश्व कप 2026: इंग्लैंड ने इटली को हराते हुए सुपर–8 में किया प्रवेश

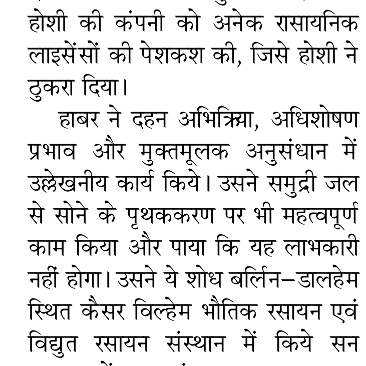

नईदिल्ली, इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने टी–20 विश्व कप 2026 के 29वें मैच में इटली क्रिकेट टीम को 24 रन से हराते हुए सुपर–8 में प्रवेश किया। ईडन गार्डन स्टेडियम में हुए मुकाबले में इंग्लिश टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 202/7 का स्कोर बनाया। जवाब में इटली की टीम बेन मैनेंटी की पारी (60) के बावजूद 20 ओवर में 178 रन पर ऑलआउट हुई। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

इंग्लैंड से फिल सॉल्ट (28), जैकब बेथेल (23), और टॉम बेंटन (30) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके। मध्यक्रम में बल्लेबाजी के लिए आए विल जैक्स ने अर्धशतक (53*) लगाते हुए टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। जवाब में इटली से बेन मैनेंटी ने अर्धशतक (60) लगाया। उनके अलावा जस्टिन मोस्का (43) और ग्रांट स्टीवर्ट (45) ने भी उम्दा पारियां खेलीं, लेकिन जीत नहीं दिला सके। इंग्लैंड ने टी–20 विश्व कप में अपना दूसरा दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया। बता दें कि इंग्लिश टीम का इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च स्कोर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ (230/8, वानखेड़े) 2016 में आया है। जैक्स ने सिर्फ 21 गेंदों में अर्धशतक लगाया और वह टी–20 विश्व कप के इतिहस में इंग्लैंड की ओर से सबसे तेज अर्धशतक जड़ने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन और जोस बटलर का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा। बता दें कि मोर्गन और बटलर ने 25–25 गेंदों में अर्धशतक लगाए थे। मोर्गन ने 2012 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पल्लेकेले में और बटलर ने 2021 में दुबई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ये तेज अर्धशतकीय पारियां खेलीं थी। लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली ने जब 22 रन के स्कोर पर अपना तीसरा विकेट खोया, तब बेन मानेंटी क्रीज पर आए। उन्होंने इंग्लिश गेंदबाजों की जमकर खबर ली और सिर्फ 22 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

लोगों से अप्रूवल लेने की जरूरत नहीं, बस जिंदगी जियो

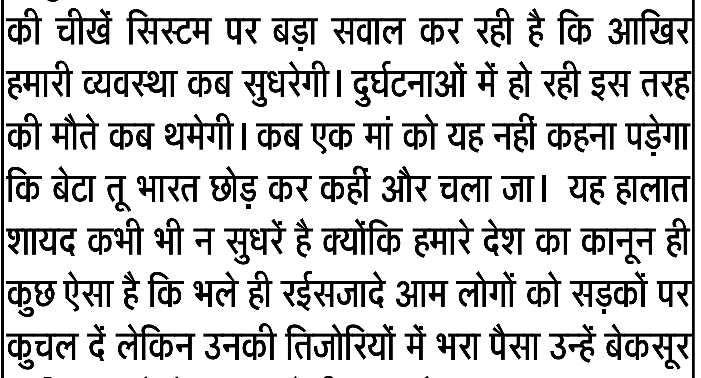

शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री मुक्ति मोहन सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी से फैंस के दिलों में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वे एक वॉइस ओवर के साथ लिपसिंक करती दिख रही हैं, एक ही तो जिंदगी मिली है। इसमें लोगों को अच्छा बनने का कोई अप्रूवल नहीं दिखा सकती हूं। अच्छा इंसान बनने में कुछ नहीं रखा है। वीडियो में उनका अंदाज बिल्कुल सच्चा और बेबाक है। वे कैमरे की तरफ देखकर सीधे दिल की बात कह रही हैं। बता दें कि यह वॉइस ओवर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। मुक्ति और कई अन्य कलाकार और सोशल मीडिया यूजर्स इस पर वीडियो बनाकर ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं।

मुक्ति अक्सर अपनी बहनों के साथ डांस के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। फैंस को अभिनेत्री का ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह–तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मुक्ति मोहन की बात करें तो वे डांसर होने के साथ–साथ वेब सीरीज व टीवी शोज में अभिनय भी करती हैं।

स्ट्राइप ड्रेस में निमरत कौर का स्टाइलिश लुक

अभिनेत्री निमरत कौर ने अपना लेटेस्ट लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया हैं। इस नए लुक में निमरत कौर स्ट्राइप वन पी ड्रेस में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। निमरत कौर ने सिजलिंग लुक में कई शानदार पोज दिए। निमरत का यह लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा हैं। इस लुक के साथ निमरत ने कैप्शन में लिखा स्ट्राइप पोज।

निमरत कौर (जन्म 13 मार्च 1982) एक प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री हैं, जो विशेष रूप से द लंचबॉक्स और एयरलिफ्ट जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने प्रिंट मॉडल के रूप में करियर शुरू किया और फिर थिएटर के माध्यम से बॉलीवुड में पहचान बनाई।

पारस डोगरा रणजी ट्रॉफी के इतिहास में 10,000 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

नईदिल्ली,जम्मू और कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने रणजी ट्रॉफी 2025–26 के दौरान अहम उपलब्धि हासिल की। दरअसल, उन्होंने इस टूर्नामेंट के इतिहास में अपने 10,000 रन पूरे किए। उन्होंने बंगाल क्रिकेट टीम के खिलाफ सेमीफाइनल में अपनी पहली पारी में 11वां रन बनाते ही ये मुकाम हासिल किया। वह भारत के घरेलू टूर्नामेंट में इस आंकड़े को छूने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बने। आइए उनके आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

डोगरा से पहले वसीम जाफर ने यह आंकड़ा पार किया था। बता दें कि पूर्व दिग्गज जाफर ने अपने रणजी ट्रॉफी करियर का अंत 56.51 की औसत से 12,038 रन के साथ किया था। इन दोनों के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज 9,500 रन का आंकड़ा नहीं छू सका है। अमोल मजूमदार (9,202) और देवेंद्र बुंदेला (9,201) ही अन्य ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने 9,000 से अधिक रन बनाए थे।

2018 में डोगरा पुडुचेरी चले गए थे, जहां वे इस टीम की ओर से रणजी ट्रॉफी में शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। वह 2024–25 सीजन से जम्मू और कश्मीर के कप्तान के तौर पर खेल रहे हैं। डोगरा के नाम अभी रणजी ट्रॉफी में सक्रिय बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा शतक (33) हैं। कुल मिलाकर, वे सिर्फ जाफर (40) के बाद दूसरे नंबर पर हैं। डोगरा के नाम 9 दोहरे शतक भी हैं।

डोगरा ने अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर की शुरुआत 2001–02 सीजन के दौरान की थी। उन्होंने अब तक 152 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं, जिसकी 243 पारियों में उन्होंने 10,500 से अधिक रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 34 शतक भी लगाए हैं। दूसरी तरफ गेंदबाजी में उन्होंने 5 विकेट भी लिए हैं। अपने ढाई दशक लम्बे प्रथम श्रेणी करियर के बावजूद वह कभी भारतीय टीम से नहीं खेल सके हैं।

एक नजर

सतीश अध्यक्ष व संजय बने प्रबंधक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ज्वाल्पा देवी पूजा समिति की पुरानी कार्यकारणी को भंग कर नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सतीश अण्थ्वाल व प्रबंधक पद की जिम्मेदारी संजय अण्थ्वाल को दी गई। चुनाव पर्यवेक्षक मनोज अण्थ्वाल, संद्रभूषण अण्थ्वाल व विमल अण्थ्वाल की देखरेख में चुनाव संपन्न करवाए गए। अध्यक्ष पद पर सतीश चंद्र अण्थ्वाल व नवीन चंद्र अण्थ्वाल के मध्य सीधे मुकाबले में सतीश चंद्र अण्थ्वाल ने नवीन चंद्र को 34 मतों से पराजित किया। प्रबंधक पद पर संजय अण्थ्वाल ने 82 मतों से पराजित किया। सचिव पद पर अनिल किशोर ने सुरेश चंद्र को हराया। कोषाध्यक्ष पद पर रोहित अण्थ्वाल ने आशीष अण्थ्वाल को 101 मतों से पराजित किया।

उत्तराखंड संस्कृत परिषद की बोर्ड परीक्षा आज से होगी शुरू, तैयारी पूरी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड संस्कृत परिषद देहरादून की बोर्ड परीक्षा बुधवार से शुरू होगी। जिले में तीन परीक्षा केंद्रों में 146 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा देंगे। परिषद द्वारा परीक्षा के पारदर्शी व निष्पक्ष संचालन को लिए सभी तैयारियों को अंतिम रुप दे दिया गया है। उत्तराखंड संस्कृत परिषद देहरादून की बोर्ड परीक्षा आज से शुरु होगी। सहायक निदेशक संस्कृत शिक्षा मनोज सेमल्टी ने बताया कि संस्कृत शिक्षा परिषद के पूर्व मध्यमा द्वितीय (हाईस्कूल) और उत्तर मध्यमा द्वितीय (इंटरमीडिएट) की बोर्ड परीक्षा बुधवार 18 फरवरी से शुरु होगी। बोर्ड परीक्षा का समापन 27 फरवरी को होगा। जनपद में बोर्ड परीक्षा के तीन केंद्र हैं। इनमें श्री जयदयाल अग्रवाल संस्कृत विद्यालय श्रीनगर, ज्वाल्पा धाम संस्कृत विद्यालय ज्वाल्पा देवी और ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षा में 146 बोर्ड परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें पूर्व मध्यमा द्वितीय में 86 और उत्तर मध्यमा द्वितीय में 60 बोर्ड परीक्षार्थी हैं। श्री जयदयाल अग्रवाल संस्कृत विद्यालय श्रीनगर में पूर्व मध्यमा द्वितीय के 36, उत्तर मध्यमा द्वितीय के 22, ज्वाल्पा धाम संस्कृत विद्यालय ज्वाल्पा देवी में पूर्व मध्यमा द्वितीय में 27 व उत्तर मध्यमा द्वितीय में 21 और ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी में पूर्व मध्यमा द्वितीय के 23 व उत्तर मध्यमा द्वितीय के 17 बोर्ड परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। एडी सेमल्टी ने बताया कि तीनों परीक्षा केंद्रों के केंद्र व्यवस्थापकों, कक्ष निरीक्षकों व उड़नदस्तों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं।

सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गईं। श्रीनगर स्थित गुरूराम राय पब्लिक स्कूल में बनाए गए परीक्षा केंद्र पर सुबह से ही परीक्षार्थियों की आवाजाही शुरू हो गई थी। केंद्र के बाहर छात्र-छात्राओं में उत्साह के साथ हल्की चिंता भी देखने को मिली। इस केंद्र पर रेनबो पब्लिक स्कूल, सेमफोर्ड स्कूल और देवभूमि स्कूल के छात्र-छात्राएं परीक्षा दे रहे हैं। पहले दिन हाईस्कूल के 194 और इंटरमीडिएट के 32 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। हाईस्कूल में गणित (बेसिक व स्टैंडर्ड), जबकि इंटरमीडिएट में एंटरप्रेन्योरशिप का प्रश्नपत्र आयोजित किया गया।

गंदी नालियों से गुजर रही पेयजल लाइन, बीमारियों का खतरा

कोटद्वार के काशीरामपुर क्षेत्र में नाली से गुजरती पेयजल लाइनें

कोटद्वार क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में गदंगी से गुजर रही पेयजल लाइन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में दूषित नालियों से गुजर रही पेयजल लाइन आमजन के लिए मुसीबत बन रही है। इसके कारण घरों में गंदे पानी की भी आपूर्ति हो रही है। इससे आमजन को बीमारियों का खतरा बना हुआ है। करीब सत्तर के दशक में कोटद्वार में पेयजल लाइनें बिछाई गई थी, उस समय कोटद्वार व भाबर की जनसंख्या मात्र 25–30 हजार की थी। वर्तमान में यहां की जनसंख्या डेढ़ लाख से अधिक हो चुकी है और कनेक्शनों की संख्या भी हजारों में पहुंच गई है। बावजूद इसके आज भी दशकों पूर्व बिछाई गई पेयजल लाइनों से ही घरों में पानी की आपूर्ति की जा रही है। तल्ला काशीरामपुर, कौड़िया, मल्ला काशीरामपुर, बालासौड़, आमपड़ाव सहित कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां पेयजल लाइनें नालियों से होकर गुजर रही हैं। ऐसे में दशकों पुरानी इन लाइनों में लीकेज होता है तो घरों में दूषित पेयजल की आपूर्ति तय है। पूर्व में कई मर्तबा इस तरह के मामले प्रकाश में आ भी चुके हैं, जबकि घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति हुई हो। लेकिन, दूषित पानी के कारण कभी कोई जनहानि नहीं हुई है।

सीवर के साथ गुजर रही पेयजल लाइनें

नगर क्षेत्र में कई जगह सीवर लाइनें और पेयजल लाइनें साथ में गुजर रही है। सीवर लाइनों के नीचे से गुलर रही पेयजल लाइनों में लीकेज के कारण कभी-कभार पानी में सीवर की बदबू भी आती है। इस तरह की शिकायतें कौड़िया क्षेत्र में देखने को मिलती हैं।

एलयूसीसी पीड़ितों ने उठाई न्याय की मांग

कोटद्वार तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन करते एलयूसीसी पीड़ित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : एलयूसीसी पीड़ितों का धरना तहसील परिसर में मंगलवार को भी जारी रहा। पीड़ितों ने सरकार से जल्द से जल्द उनकी डूबी हुई रकम को वापस दिलवाने की मांग उठाई। कहा कि लगातार आंदोलन के बाद भी उनकी अनदेखी की जा रही है।

मंगलवार को लोगों ने तहसील परिसर में धरना दिया। वक्ताओं ने कहा कि कंपनी के संचालकों ने उन्हें धन दोगुना करने का लालच दिया था, जिससे कंपनी में करोड़ों रूपया जमा हो गया, लेकिन ऐन वक्त पर कंपनी के संचालक अपने कार्यालयों में ताला लगाकर फरार हो गए, जिसके कारण निवेशकों का पैसा डूब गया है। कहा कि कंपनी के फरार संचालकों को तत्काल गिरफ्तार कर निवेशकों की डूबी रकम वापस की जाए। कहा कि भले ही प्रदेश सरकार करोड़ों के घोटाले की सीबीआई जांच करवाने की बात कर रही है, लेकिन अभी तक फरार संचालकों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। जब तक फरार संचालकों पर शिकंजा नहीं कसा जाएगा, तब तक घोटाले की सच्चाई सामने नहीं आ पाएगी। इस मौके पर सुरेश सिंह नेगी, उम्मेद सिंह, सुनीता रावत, शिवानी नेगी, रेखा, ज्योति नेगी, हरेंद्र रावत, राजेंद्र नेगी, सुनील सिंह, सुरेंद्र सिंह, बिजेंद्र रावत आदि मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षा की तैयारी के सिखाए गुर

आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों को जानकारी देते प्रधानाचार्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा की तैयारी के गुर सुखाए गए।

विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने बताया कि उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर द्वारा प्रदेश में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा 21 फरवरी से 20 मार्च तक आयोजित की जायेगी। कहा कि बोर्ड परीक्षा के लिए एक रणनीति बनाकर समय प्रबन्धन करके निरन्तर अभ्यास करने, हर दिन आठ-दस घंटे पढ़ाई करने, विषय के सम्बोधनों को रटने के बजाय उसकी अवधारणा को समझने, पूर्ण तैयारी के साथ परीक्षा केंद्र में तनाव मुक्त होकर व आत्मविश्वास से प्रश्न पत्रों को हल करने, प्रश्नों के अंक विभाजन के अनुसार उनका सटीक उत्तर लिखने व सभी प्रश्नों को हल करने से अच्छे अंक प्राप्त करके बेहतर श्रेणी में बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की जा सकती है।

इसके साथ ही सुन्दर हस्तलेख, उत्तर संख्या व हेडिंग्स को काले स्कैच पेन से लिखने, चित्रों व आलेख को पेन्सिल से बनाकर, पूछे गए प्रश्नों से सम्बंधित सूत्रों, नियमों व समीकरणों का उल्लेख करने से परीक्षक का दृष्टिकोण छात्र-छात्राओं के प्रति सकारात्मक बनाकर मूल्यांकन को सरल व सहज बनाता है।

लोकार्पण के बाद पार्क का गेट खोलना भूला जिला विकास प्राधिकरण

नई टिहरी। मुख्य बाजार में बना अमर शहीद श्रीदेव सुमन पार्क के पुर्न निर्माण पर दो करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च है। लोकार्पण हुए 15 दिन का समय बीते जाने के बाद पर्यटकों और आम जनता के लिए पार्क नहीं खुल पाया है। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के वित्तीय सहयोग से कार्यदायी संस्था जिला विकास प्राधिकरण नरेंद्रनगर ने 203.91 लाख की लागत से बीते नवंबर माह में श्रीदेव सुमन पार्क का पुनर्निर्माण पूरा कर दिया था। पार्क में सेल्फी प्वाइंट, फाउंटेन फव्वारा, पर्यटकों के बैठने के लिए हॉट्स, लोहे के बेंच, घूमने के लिए फुटपाथ, फैंसी लाइटिंग, जमीन पर हरी घास लगाने के साथ कई अन्य कार्य किए गए है। बीते 30 जनवरी को टिहरी पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर धामी और टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने अन्य योजनाओं के साथ श्रीदेव सुमन पार्क में हुए पुर्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया लेकिन आधा फरवरी बीतेने के बाद भी पर्यटकों और आमजन के लिए पार्क नहीं खुल पाया। पार्क के गेट में लगा ताला लोगों को मुंह चिढ़ा रहा है।

पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत का कहना कि श्रीदेव सुमन पार्क नगर पालिका की संपत्ति है। अभी तक पार्क को पालिका के हैंड ओवर भी नहीं किया गया है।

एलिवेटेड मार्ग निर्माण को लेकर जारी रहा लोगों का धरना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग को लेकर मंगलवार को भी लोगों का धरना जारी रहा। कहा कि बेहतर विकास के लिए मार्ग को एलिवेटेड बनाना आवश्यक है। जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंगलवार को लोगों ने चिल्लरखाल वन चौकी के समीप धरना दिया। दअरसल, मार्ग निर्माण को लेकर पिछले कई माह से आंदोलन चल रहा है। 12 फरवरी को उच्चतम न्यायालय ने लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को हरी झंडी दिखाई थी। लेकिन, क्षेत्र के बेहतर विकास को देखते हुए मार्ग एलिवेटेड बनाने की मांग को लेकर लोगों का धरना अब भी जारी है। ऐसे में आंदोलन की अगुआई कर रहे लोगों की ओर से मंगलवार को आंदोलन में अपना योगदान दे रही महिलाओं को सम्मानित किया गया। कहा कि इस आंदोलन में महिलाओं का सबसे अधिक योगदान है। घर का काम निपटाने के बाद महिलाएं लगातार धरना स्थल पर बनी हुई हैं। कहा कि जब तक धरातल पर मार्ग एलिवेटेड बनाने का कार्य प्रारंभ नहीं होता तब तक आंदोलन चलता रहेगा। क्षेत्र के विकास में किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कहा कि जनता के हित को देखते हुए सरकार को जल्द से जल्द इस ओर ध्यान देना चाहिए।

कोटद्वार के चिल्लरखाल वन चौकी के समीप आंदोलन में योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित करते सदस्य

पुलिस ने पकड़ा लकड़ी के डाटों से भरा ट्रक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सतपुली पुलिस ने बांघाट रोड पर लकड़ी के डाटों से भरा एक ट्रक पकड़ा। पुलिस ने मामले में चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है।

मामले में थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि बीती शाम बांघाट रोड पर वाहनों की चैकिंग चल रही थी। चैकिंग के दौरान पुलिस टीम ने एक ट्रक को रोका, जो त्रिपाल से ढका हुआ था। तलाश में ट्रक में लकड़ी की डाट भरी हुई थी। पुलिस ने लकड़ी से संबंधित दस्तावेज मांगे तो ट्रक चालक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। जिसके बाद पुलिस ने ट्रक को मय लकड़ी कब्जे में ले लिया। साथ ही ट्रक चालक हसन अली निवासी मोहल्ला इस्लामनगर, रुड़की के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर दिया। पूछताछ में हसन अली ने बताया कि वह ट्रक में गढ़वाल वन प्रभाग की पौड़ी रेंज से लकड़ी लाद उसे ऋषिकेश होते हुए रुड़की लेकर जा रहा था। बताया कि ट्रक में छूट प्रजाति की खड़ीक और सेमल की लकड़ी की डाट भरी हुई हैं।

जिला सहकारी बैंक लि0., गढ़वाल (कोटद्वार)
मुख्यालयः बद्रीनाथ मार्ग, निकट तहसील कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल
REG.No. 23 DATE 16.05.1924, LICENSE No.-RPCD.12/2012 DATE 16.02.2012

निविदा सूचना

जिला सहकारी बैंक लि0, गढ़वाल कोटद्वार को बैंक कार्यों हेतु 02 (दो) चार पहिया वाहन (एक स्कोर्पियो एन एवं एक बुलेरो नियो) किराये पर लिये जाने की आवश्यकता है।

निविदा सम्बन्धी जानकारी बैंक मुख्यालय कोटद्वार एवं बैंक की वेबसाईट www.zsbkotdwar.org से प्राप्त की जा सकती है तथा निविदा फार्म दि0 18.02.2026 के प्रातः 10.00 बजे से दि0 24.02.2026 अपराह्न 2.00 बजे तक (बैंक कार्य दिवस एवं कार्य अवधि पर) बैंक मुख्यालय, बद्रीनाथ मार्ग, कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल से प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा फार्म जमा करने की अन्तिम तिथि 24.02.2026 अपरान्ह 5.00 बजे निर्धारित की जाती है। निविदा बैंक मुख्यालय में दि0 25.02.2026 पूर्वाह्न 11.30 बजे खोली जायेगी। बैंक प्रबन्धन को किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार रहेगा।

सचिव / महाप्रबन्धक
(1532/21)

बिना सत्यापन रहने वालों के खिलाफ पुलिस का अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में बिना सत्यापन रह रहे लोगों के खिलाफ पुलिस ने अभियान शुरु कर दिया है। इसके तहत आमपड़ाव सहित अन्य वार्डों में लोगों को बिना सत्यापन कमरा किराए पर नहीं देने की चेतावनी दी गई। कहा कि शहर में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आमजन को पुलिस का सहयोग करना चाहिए।

मंगलवार को पुलिस ने बाजार के साथ ही विभिन्न वार्डों में अभियान चलाया। कहा कि शहर में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस गंभीरता से कार्य कर रही है। इसके लिए समय-समय पर सत्यापन अभियान चलाया जाता है।

कहा कि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आमजन को भी पुलिस का सहयोग करना होगा। बिना सत्यापन किसी भी व्यक्ति को अपनी दुकान व मकान किराए पर न दें। साथ ही कहीं भी आपराधिक घटना होने पर इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस दौरान आमजन को यातायात के प्रति भी जागरूक किया गया। कहा कि बिना हेलमेट दोपहिया वाहन न चलाएं। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात नियमों का पालन करना जरूरी है।

शहर में सत्यापन अभियान चलती पुलिस

उत्तर रेलवे

Tender Notice-01-Tele-SoftUpg-BLM-24-25 Date.16.02.2026

Sr. Divisional Signal and Telecom engineer/Moradabad for and on behalf of President of India invites Open tenders through E-Tendering system for the following works:-

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4	5	6
1	01-Tele-SoftUpg-BLM-24-25 ABSS: Soft Upgradation of BLM Station. ए बी एस एस: सॉफ्ट उपग्रेडेशन बी एल एम स्टेशन.	11224870.27	206100.00	Nil	13.03.2026 15:00

Note :- Complete details of tender can be seen at www.ireps.gov.in. 531/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पेयजल योजना का स्वामित्व ग्राम पंचायत जौरासी तल्ली को सौंपा

मुख्य अतिथि पेयजल योजना का स्वामित्व प्रमाण पत्र ग्राम प्रधान को सौंपते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकासखंड दुगड्डा की ग्राम पंचायत जौरासी तल्ली में हर घर नल योजना पूर्ण होने के उपरांत 'जल अर्पण दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योजना के सफल संचालन के साथ ही प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचने पर ग्रामवासियों में उत्साह का वातावरण रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपाध्यक्ष सिंचाई सलाहकार समिति उत्तराखण्ड सरकार देहरादून ऋषि कण्डवाल, विशिष्ट अतिथि उत्तराखण्ड जल संस्थान के अधीक्षण अभियन्ता प्रवीन कुमार सैनी, सहायक अभियन्ता देवकी नन्दन जोशी, अवर सहायक अभियन्ता शूरवीर चौहान, किरण, कनिष्ठ अभियन्ता शान्ति नन्दा बिष्ट मौजूद रहे। इस अवसर पर ग्राम पंचायत जौरासी तल्ली के लिए लगभग 16 लाख की लागत से जल संस्थान कोटद्वार द्वारा जौरासी पेयजल योजना तैयार की गई है, का विधिवत लोकार्पण किया गया। इस योजना से 36 परिवार, आंगनबाडी, रा.प्रा.वि. जौरासी लाभान्वित होगें। मुख्य अतिथि एवं उत्तराखण्ड जल संस्थान के अधीक्षण अभियन्ता प्रवीन कुमार सैनी द्वारा पेयजल योजना का स्वामित्व प्रमाण पत्र ग्राम प्रधान एवं ग्राम पेयजल संचालन समिति को सौंपा गया। योजना के सुचारू संचालन से अब गांव के प्रत्येक परिवार को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। मुख्य अतिथि ऋषि कण्डवाल ने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों से योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। ग्राम पंचायत जौरासी प्रधान चण्डी प्रसाद कुकरेती ने कहा कि ग्राम वासियों के सहयोग से पंचायत में विकास कार्य किये जायेगें। कहा कि वह पंचायत को आदर्श ग्राम पंचायत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

26 छात्रों को वितरित किये ट्रेक शूट

'जल अर्पण दिवस' कार्यक्रम में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय स्यालनी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय जौरासी, रा.प्रा.वि. रिंगल्डी खाल स्यालनी के छात्र-छात्राओं ने रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साथ ही जे.जे.एम. के अन्तर्गत संचालित जौरासी पेयजल योजना के दीर्घकालीन संरक्षण/ संवर्द्धन हेतु मोटिवेशनल स्लोगन आदि का प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को जल संस्थान कोटद्वार द्वारा स्टेशनरी और अन्य पारितोषिक वितरित किये गये। इस मौके पर मुकेश डबराल द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय स्यालनी, रा.प्रा.वि. जौरासी, रा.प्रा.वि. रिंगल्डीखाल स्यालनी के 26 छात्र-छात्राओं को ट्रेक शूट वितरित किये गये।

धूमधाम के साथ मनाया कोर ऑफ सिग्नल का स्थापना दिवस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोर ऑफ सिग्नल का 116वां स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान पूर्व सैनिकों ने देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को याद किया। साथ ही वीर नारियों व पूर्व सैनिकों की म्यूजिकल चेयर रेस सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें म्यूजिकल रेस में सुनीता कुकशाल प्रथम रही।आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ बीबी ध्यानी ने किया। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सीमा पर खड़े वीर सैनिकों के कारण ही आज हम देश में स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। म्यूजिकल रेस में सुनीता कुकशाल प्रथम, सुषमा बिष्ट द्वितीय व बीना तृतीय रही। निंबू चम्मच दौड़ में सुषमा बिष्ट प्रथम, दमयंती द्वितीय व मालती भंडारी तृतीय रही। सुई-धागा रेस में आरस रावत प्रथम, एसएस बिष्ट द्वितीय व रघुवीर बिष्ट तृतीय रहे। इस मौके पर महानंद ध्यानी, मनमोहन काला, हरीश कुकशाल, सुनील रावत, सतीश ध्यानी, भरत सिंह, सीपी डोबरियाल, देवेंद्र सिंह रावत, गोविंद सिंह नेगी, शिवनारायण भंडारी मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत उपभोक्ता सेवा/स्मार्ट मीटर सम्बंधित सूचना/शिकायत/ राजस्व वसूली शिविर/सूचना माह–फरवरी, 2026

विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा के अन्तर्गत सभी सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित स्थानों पर विद्युत उपभोक्ता सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों में स्मार्ट मीटर से सम्बन्धित सूचना / शिकायतों, विद्युत बिलों का भुगतान, त्रुटिपूर्ण विद्युत बीजकों में संशोधन, नये विद्युत संयोजन निर्गत करना / वर्तमान विद्युत संयोजनों के विद्युत भार वृद्धि, खराब विद्युत मीटर बदलने, इत्यादि समस्याओं का निस्तारण किया जायेगा। जिसमें सम्बन्धित क्षेत्र के उपखण्ड अधिकारी / अवर अभियन्ता एवं क्षेत्रीय कर्मचारी भी उपस्थित रहेंगे।

क्र0 सं0	उपखण्ड अधिकारी का नाम व मोबाईल नं0	दिनांक	समय	शिविर का स्थान	अवर अभियंता का नाम व मोबाईल नं0
		विद्युत वितरण उपखण्ड – र्स्यूंसी			
1	श्री नवीन कुमार (मो० नं0– 94120 81777)	21 / 02 / 2026	प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक	पसिया महादेव	श्री मनोज कुमार (मो० नं0– 73022 57308)
2		23 / 02 / 2026		गौलीखाल	श्री कृष्णकान्त थपलियाल (मो० नं0– 94111 10016)
3		24 / 02 / 2026		दिगोलीखाल	
4		25 / 02 / 2026		मौन गुरियाखौंद	
5		26 / 02 / 2026		मैठाणाघाट	श्री मनोज कुमार (मो० नं0– 73022 57308)
		विद्युत वितरण उपखण्ड– रिखणीखाल			
1	श्री नवीन कुमार (मो० नं0–94120 81777)	26 / 02 / 2026	प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक	रथुवाढाब	श्री कुलदीप सिंह (मो० नं0– 94111 10015)
2		27 / 02 / 2026		सिद्धखाल	
3		28 / 02 / 2026		द्वाबखाल	
		विद्युत वितरण उपखण्ड– थलीसैंण			
1	श्री अभिषेक सिंह नेगी (मो० नं0– 73022 57309)	19 / 02 / 2026	प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक	जसपुरखाल	श्री धर्मेन्द्र कुमार (मो० नं0–94111 10014)
2		20 / 02 / 2026		चफरैखाल	
3		21 / 02 / 2026		जगतपुरी	
4		23 / 02 / 2026		त्रिपालीसैण	
5		24 / 02 / 2026		मजुरा महादेव	

अतः इस खण्ड के अन्तर्गत समस्त सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं से आग्रह है कि उक्त शिविर में उपस्थित होकर अपने विद्युत बिलों का भुगतान करने एवं उपरोक्त वर्णित सुविधाओं का लाभ उठाने हेतु अवश्य आयें।

पत्रांक : 1180 / विवित्ख(नै0) / उपाकालि0 / कैम्प
दिनांक : 17.02.2026

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

संक्षिप्त समाचार

विराट हिंदू सम्मेलन में सभी वर्गों को एकजुटता का दिया संदेश

नई टिहरी। श्री कोटेश्वर सनातन सेवा समिति की ओर से चाका में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में वक्ताओं ने हिंदू समाज के सभी वर्गों से एकजुट होने की अपील की। सनातन धर्म विकास परिषद के अध्यक्ष नृसिंह पीठाधीश्वर स्वामी रसिक महाराज, संघ के सह प्रांत प्रचारक चंद्रशेखर ने सम्मेलन का शुभारंभ किया। रसिक महाराज ने कहा कि सम्मेलन के माध्यम से लोगों को जागरूक कर संगठित करने का काम किया जा रहा है। संघ के सह प्रांत प्रचारक चंद्रशेखर ने कहा कि संघ के लोगों ने हमेशा हिंदुओं को जगाने का काम किया है। हिंदू समाज के लोग अपनी संस्कृति को छोड़कर विदेशी संस्कृति को ओर भाग रहे हैं, जिसके भविष्य में गंभीर परिणाम होंगे। इससे पूर्व सरस्वती शिशु मंदिर लवा–चाका के छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। इस मौके पर कार्यक्रम के सचिव मंगेश उनियाल, भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी, पूर्व मंडी समिति अध्यक्ष वीर सिंह रावत, धन सिंह सजवाण मौजूद थे।

दिसंबर का राशन 20 फरवरी तक उठा दें

नई टिहरी। खाद्यान्न विभाग ने माह दिसंबर 2025 की राशन वितरण के लिए समय सीमा 20 फरवरी तक बढ़ा दी है जो राशनकार्ड धारक अभी तक दिसंबर का राशन नहीं ले पाए हैं उन्हें शीघ्र अपने हिस्से की राशन लेने को कहा गया है। इस दौरान कार्डधारकों से ई–केवाईसी कराने की अपील भी की गई है। जिला पूर्ति अधिकारी मनोज डोभाल ने बताया कि शासन के निर्देश पर माह दिसंबर के राशन वितरण की समय सीमा 20 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। जबकि जनवरी और फरवरी के खाद्यान्न वितरण की अवधि 28 फरवरी तक ही रहेगी। उन्होंने कहा कि सभी राशन कार्ड धारक सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेता की दुकान से माह दिसंबर 2025 का खाद्यान्न 20 फरवरी तक और माह जनवरी–फरवरी का राशन 28 फरवरी तक बायोमीट्रिक के माध्यम से प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सस्ता राशन प्राप्त करते समय सभी कार्ड धारक राशन विक्रेता की दुकान पर रखी गई ई–पॉस मशीन से अपनी ई–केवाईसी भी अनिवार्य रूप से पूर्ण करा दें।

छात्रों ने कठिन तो कुछ ने अच्छा बताया गणित का पेपर

नई टिहरी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की बोर्ड परीक्षा मंगलवार से शुरू हो गई। हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा के तहत पहले दिन गणित का पेपर था। जिले में केंद्रीय विद्यालय नई टिहरी, सौड़खांड, सेंट एंथोनी पब्लिक स्कूल नई टिहरी, न्यू टिहरी इंटरनेशनल स्कूल नई टिहरी, जवाहर नवोदय विद्यालय पौखाल सीबीएसई मान्यता प्राप्त हैं। इसके अलावा अटल उत्कृष्ट विद्यालयों में सीबीएसई 10 वीं की परीक्षा आयोजित की गई। पहले दिन गणित की परीक्षा निर्विघ्न संपन्न हो गई।

बिलखेत बनेगा एडवेंचर का सबसे बड़ा मंच

बिलखेत में 26 से 28 फरवरी तक होगा नयार वैली एडवेंचर फेस्टिवल, डीएम ने लिया तैयारियों का जायजा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सतपुली स्थित बिलखेत में 26 से 28 फरवरी तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय नयार वैली एडवेंचर फेस्टिवल–2026 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों को सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने बताया कि नयार फेस्टिवल का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें माउंटेन बाइकिंग, पैराग्लाइडिंग, एंगलिंग, कयाकिंग, पैरामोटरिंग, हॉट एयर बैलून जैसी अलग अलग गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिसमें सभी प्रतियोगिताओं के लिए आकर्षक पुरस्कारों की व्यवस्था की गयी है। साथ ही आम जनता हेतु टेंडम फ्लाइंग की व्यवस्था भी की गई है, जिससे स्थानीय नागरिकों में पैराग्लाइडिंग का रुझान बढ़ेगा।

इसके अतिरिक्त युवाओं तथा स्कूली बच्चों में साहसिक खेलों का रुझान पैदा करने के लिए एडवेंचर जोन बनाया जाएगा, जिसमें विविध गतिविधियां जैसे बर्मा ब्रिज, जिपलाइन, कमांडो नेट तथा रिवर्स बंजी जंपिंग जैसी गतिविधियां रहेंगी।

साथ ही शाम को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया गया है, जिसमें संकल्प खेतवाल और प्रीतम भरतवाण जैसे कलाकार प्रस्तुति देंगे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी, लोनिवि, पर्यटन विभाग सहित अन्य अधिकारियों के साथ मुख्य कार्यक्रम स्थल, क्याकिंग स्थल, पैराग्लाइडिंग स्थल सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने आयोजकों को निर्देश दिए कि मुख्य कार्यक्रम स्थल के मैदान को समतल करने के साथ आसपास की झाड़ियों की सफाई भी सुनिश्चित की जाए। वहीं अधिशासी अभियंता लोनिवि को टेंट, साउंड सिस्टम, स्टॉल के लिए टेंट, मंच, एलईडी स्क्रीन सहित अन्य व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, उपजिलाधिकारी रेखा आर्य, जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी सहित आयोजक उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को चिन्हित करें

जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने पर्यटन विभाग को नयार वैली एडवेंचर फेस्टिवल के प्रचार–प्रसार के लिए बेहतर होर्डिंग लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने क्याकिंग स्थल पहुंचकर क्षेत्र का निरीक्षण किया। कहा कि क्याकिंग के लिए स्थान को सुरक्षित और बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने स्थानीय लोगों से संवाद कर कहा कि वे पैराग्लाइडिंग और क्याकिंग का प्रशिक्षण लेकर अपने क्षेत्र में अन्य युवाओं को प्रशिक्षण दें, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और बिलखेत क्षेत्र पर्यटन का केंद्र बन सकेगा। साथ ही अन्य राज्यों के युवा भी यहां प्रशिक्षण लेने आ सकेंगे। जिलाधिकारी ने जिला पर्यटन अधिकारी को निर्देश दिए कि पैराग्लाइडिंग, क्याकिंग सहित अन्य गतिविधियों का प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को चिन्हित किया जाए।

उपनल कर्मचारियों ने लगाया समान कार्य समान वेतन में भेदभाव का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : उपनल कर्मियों ने समान कार्य समान वेतन में भेदभाव का आरोप लगाया। कहा कि यदि सरकार शीघ्र इस विषय पर पुनर्विचार कर संशोधित शासनादेश जारी नहीं करती है, तो समस्त उपनल कर्मचारी 18 फरवरी को शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से प्रदेश स्तर पर एकत्र होकर उक्त शासनादेश के विरोध में अपनी आवाज बुलंद करेंगे। यदि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो कर्मचारी अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हेतु माननीय उत्तराखंड उच्च न्यायालय की शरण लेने के लिए बाध्य होंगे। उपनल कर्मी गौरव, अमित, विनोद, कन्हैया, अनिल ने कहा कि 03 फरवरी 2026 को राज्य सरकार द्वारा जारी शासनादेश में वर्ष 2018 के बाद नियुक्त कर्मचारियों को लाभ से वंचित रखा गया है। अनेक कर्मचारी ऐसे हैं जिन्होंने उपनल के माध्यम से 15-20 वर्षों तक निरंतर सेवा दी है, किंतु एक ही विभाग/पद पर 10 वर्ष पूर्ण न होने के आधार पर उन्हें शासनादेश के लाभ से वंचित कर दिया गया है। यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि उनकी कुल सेवा अवधि को नजर अंदाज किया जा रहा है। इस निर्णय से लगभग 12-13 हजार कर्मचारी प्रभावित हो रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की है। सभी कर्मचारी समान कार्य, समान दायित्व एवं समान जोखिम के साथ कार्य कर रहे हैं, अतः केवल नियुक्ति तिथि के आधार पर भेदभाव किया जाना न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता। जबकि सभी कर्मचारी समान कार्य, समान दायित्व और समान जोखिम के साथ कार्य कर रहे है। यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और 16 (समान अवसर का अधिकार) की भावना के विपरीत प्रतीत होता है। उपनलकर्मियों ने कहा कि 2018 के बाद नियुक्त कर्मचारियों को भी शासनादेश में शामिल किया जाए। कटऑफ तिथि हटाकर सभी उपनल कर्मचारियों को समान लाभ दिया जाए। कहा कि यदि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो कर्मचारी अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हेतु माननीय उत्तराखंड उच्च न्यायालय की शरण लेने के लिए बाध्य होंगे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रेरणादायी महिलाओं को मिलेगा राज्य स्तरीय सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिला प्रशासन रुद्रप्रयाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08 मार्च, 2026) के अवसर पर आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम हेतु जनपद से 60 वर्ष से अधिक आयु की प्रेरणा स्त्रोत वरिष्ठ महिलाओं के नाम आमंत्रित किए गए हैं। जनपद स्तर पर पारदर्शी चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति गठित की जाएगी, जिसमें जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला परिवीक्षा अधिकारी तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी (सदस्य सचिव) शामिल रहेंगे। चयनित महिलाओं को देहरादून में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।जानकारी के अनुसार इस वर्ष ऐसे वरिष्ठ महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा, जो वृद्धावस्था में भी सक्रिय, आत्मनिर्भर एवं समाज के विभिन्न क्षेत्रों की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, कृषि, उद्यमिता, लोकसेवा अथवा अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं तथा अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनी हुई हैं। प्रत्येक जनपद से कुल तीन महिलाओं का चयन किया जाएगा। इनमें एक महिला निम्न आय वर्ग, एक मध्यम आय वर्ग तथा एक उच्च आय वर्ग से चयनित की जाएगी। आय संबंधी किसी प्रकार का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक नहीं होगा, बल्कि श्रेणी निर्धारण स्थानीय प्रशासन के आंकलन के आधार पर किया जाएगा।

फायर मॉक ड्रिल का आज होगा आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में जिला सभागार में ग्रीष्म ऋतु में वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी तौर पर सम्बन्धित विभागों के साथ बुधवार को आयोजित होने वाली फायर मॉक ड्रिल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। जिसमें प्रभागीय वनाधिकारी बद्रीनाथ वन प्रभाग सर्वेश कुमार दुबे ने बताया कि स्ट्रेचिंग एरिया पुलिस लाइन गोपेश्वर में बनाया जाएगा एवं संबंधित विभाग अपने–अपने मैनपॉवर सहित 9:30 बजे तक पुलिस लाइन गोपेश्वर में अपनी उपस्थित देना सुनिश्चित करेंगे। इसके उपरांत वनाग्नि संभावित स्थल चमोली में एक एवं गोपेश्वर में दो स्थान रहेंगे। बैठक में जिलाधिकारी ने आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी को निर्देशित किया है कि जनपद में संचालित बड़ी कंपनियां जैसे टीएचडीसी, यूजेवीएन, एनटीपीसी, जेपी के अलावा अन्य संचालित कंपनियां चैक करते हुए फायर सर्विस उपकरणों से अपडेट है या नहीं की सूची उपलब्ध करवाएं। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभिषेक गुप्ता, सीओ मदन सिंह बिष्ट, आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग पर जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई

घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग पाए जाने पर काटे 39,100 रूपये के चालान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के निर्देशानुसार मंगलवार को जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग की रोकथाम हेतु खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा विशेष औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत होटल, ढाबों एवं अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस के अवैध उपयोग की जांच की गई। जनपद में चलाए गए इस विशेष अभियान के अंतर्गत कुल 102 होटल/ढाबों/प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। 18 घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग के प्रकरणों में कुल 39,100 रुपये का चालान किया गया तथा 01 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया गया।

जिला पूर्ति आशिकारी अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि नगर पालिका पौड़ी क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार बडोला के नेतृत्व में 16 होटल/ढाबों/प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें 06 घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग पाए जाने पर 13,800 रुपये का चालान किया गया। नगर निगम कोटद्वार क्षेत्र में क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी करण सिंह क्षेत्री के नेतृत्व में 20 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 04 मामलों में 9,200 रुपये का चालान किया गया। नगर निगम श्रीनगर क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में 16 प्रतिष्ठानों की जांच के दौरान 06 घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग पर 11,500 रुपये का चालान किया गया तथा 01 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया गया। खोलाचोरी एवं घुडदौड़ी क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक राकेश पंत के नेतृत्व में 15 प्रतिष्ठानों, पाबौ क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक हेमेंद्र कुमार के नेतृत्व में 16 प्रतिष्ठानों तथा चाकीसैंण क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक विजय डोभाल के नेतृत्व में 10 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जाड़ाऊखांद क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक अचल गुप्ता के नेतृत्व में 09 प्रतिष्ठानों की जांच की गई, जिसमें 01 घरेलू गैस सिलेंडर के दुरुपयोग पर 2,300 रुपये का चालान किया गया। जिला पूर्ति आशिकारी ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस का वाणिज्यिक उपयोग नियम विरुद्ध है और भविष्य में भी इस प्रकार के सघन निरीक्षण अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

तहसील दिवस में पेंशन से लेकर वेतन तक के मामलों का तत्काल निस्तारण

सतपुली तहसील दिवस में डीएम ने सुनी 44 समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में मंगलवार को सतपुली में आयोजित तहसील दिवस जनसमस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बना। तहसील दिवस में 44 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष प्रकरणों के समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को एक पखवाड़े के भीतर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी और प्रत्येक प्रकरण की व्यक्तिगत निगरानी की जाएगी।

तहसील दिवस में विधवा आनंदी देवी का पेंशन प्रकरण सामने आया, जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को तत्काल केवाईसी पूर्ण कर पेंशन स्वीकृत करने को कहा। इसके अलावा दिव्यांग अशोक कुमार द्वारा स्वरोजगार हेतु आर्थिक सहायता की मांग पर

जिलाधिकारी ने जिला उद्योग महाप्रबंधक को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत तत्काल आवेदन पत्र भरवाकर योजना का लाभ उपलब्ध कराया जाय। नगर पंचायत में सुपरवाइजर पद पर तैनात हर्षवर्धन गौड़ को अक्टूबर से जनवरी तक वेतन न मिलने के प्रकरण में जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता को 28 फरवरी तक भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। डीएम ने सड़कों के मुआवजे के प्रकरणों पर लोक निर्माण विभाग एवं पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को संबंधित प्रकरणों का व्यक्तिगत संज्ञान लेकर प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने को कहा। खतौनी में नाम परिवर्तन से संबंधित मामलों में राजस्व विभाग को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। राष्ट्रीय राजमार्ग 534 के मलबे से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतपुली की दीवार का पुश्ता क्षतिग्रस्त होने से अस्पताल की आवासीय कॉलोनी को खतरा होने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने तीन दिन में एनएच श्रीनगर को दीवार मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी पौड़ी वन प्रभाग महातिम यादव, मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, उपजिलाधिकारी सतपुली रेखा आर्य सहित सभी जिला, ब्लॉक तथा तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में स्वीकृत की पांच सोलर लाइट

तहसील दिवस में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने महिला मिलन केंद्र एकेश्वर को जिला योजना में प्रस्तावित करने तथा सोलर लाइट संबंधी शिकायतों पर पांच सोलर लाइट मौके पर ही स्वीकृत की। साथ ही उन्होंने छोटी मांग आधारित शिकायतों के प्रस्ताव तैयार कर उन्हें जिला योजना में शामिल करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने डंडा-बग्याली मोटर मार्ग निर्माण से क्षतिग्रस्त जल संस्थान की पाइपलाइन की शिकायत पर संबंधित निर्माणदायी एजेंसी को 15 मार्च तक हर हाल में मरम्मत कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जल निगम को ज्वाल्पा पंपिंग योजना एवं भूमियांडांडा पंपिंग योजना का कार्य 28 फरवरी तक पूर्ण करने तथा नौगांवखाल–तुमाखाल मोटर मार्ग पर उखड़े डामरीकरण को 15 मार्च तक दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।

पिटकुल निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण मामले का निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पिटकुल के अधिकारियों एवं संबंधित परिवारों के साथ एक सार्थक बैठक आयोजित हुई।

बैठक में संबंधित परिवारों ने जिलाधिकारी के सम्मुख पिटकुल निर्माण हेतु भूमि देने की सहमति जताई जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता सिद्धार्थ अरोड़ा को तत्काल एजेंडा तैयार कर बोर्ड की बैठक में रखते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि शासनादेश जारी होने पर आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, एई पिटकुल शाहवेज एवं मंगरोली नंदप्रयाग के भूमि धारक परिवारों के सदस्य उपस्थित रहे।

सुविधा कम मुसीबत अधिक बना है डोबरा–लंबगांव मोटर मार्ग

नई टिहरी। प्रतापनगर क्षेत्र की लाइफ लाइन कहे जाने वाले डोबरा–लंबगांव मोटर मार्ग की सेहत सुधारने में लोनिवि प्रांतीय खंड बौराड़ी नाकाम साबित हो रहा है। डोबरा से लेकर मोटणा तक सड़क की सबसे अधिक खस्ताहाल स्थिति बनी है जो दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है। डोबरा से मोटणा तक आठ किमी सड़क पर जगह–जगह पुश्ते क्षतिग्रस्त है। जिला मुख्यालय से प्रतापनगर ब्लॉक क्षेत्र के दर्जनों गांवों को जोड़ने वाला डोबरा–चांठी–लंबगांव मोटर मार्ग क्षेत्र के लोगों को सुविधा कम मुसीबत अधिक बना हुआ है। इस मार्ग पर प्रतिदिन सैकड़ों वाहनों का आवागमन होता है लेकिन सड़क की स्थिति खस्ताहाल बनी हुई है। सबसे खराब स्थिति डोबरा से मोटणा के बीच आठ किमी परिधि में बनी हुई है। बीते अगस्त और सितंबर माह में आपदा से सड़क के जो पुश्ते क्षतिग्रस्त हुए थे उनकी मरम्मत तक नहीं हो पाई। डामरीकरण के अभाव में हर दो कदम पर बड़े–बड़े गड्ढे बन गए है। गड्ढों में दोपहिया वाहनों का संचालन मुश्किल से हो रहा है। दोपहिया वाहन सवारों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ रहा है। पुश्तों और गड्ढों की मरम्मत न होने से धूल मिट्टी इतनी उड़ रही है आगे पीछे चलने वाहन स्पष्ट नहीं दिखाई दे रहे है जिससे दुर्घटना का भय बना रहता है। स्थानीय लोग लंबे समय से सड़क मरम्मत की मांग करते आ रहे है लेकिन कार्यदायी संस्था लोनिवि प्रांतीय खंड बौराड़ी समस्या का समाधान नहीं कर पा रहा है। जिससे स्थानीय लोगों में शासन–प्रशासन के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

पेयजल योजना का स्वामित्व ग्राम पंचायत लड़ियासु को सौंपा

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकासखंड जखोली की ग्राम पंचायत लड़ियासु में हर घर नल योजना पूर्ण होने के उपरांत 'जल अर्पण दिवस' कार्यक्रम का आयोजन तुनेटा में किया गया। योजना के सफल संचालन के साथ ही प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचने पर ग्रामवासियों में उत्साह का वातावरण रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रुद्रप्रयाग भरत सिंह चौधरी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र रावत मौजूद रहे। इस अवसर पर लड़ियासु गांव के लिए लेख-लवाड़ी पेयजल योजना, जो 31.51 लाख रुपये की लागत से पेयजल निगम रुद्रप्रयाग द्वारा तैयार की गई है, का

विधिवत लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा पेयजल योजना का स्वामित्व प्रमाण पत्र ग्राम प्रधान एवं ग्राम पेयजल संचालन समिति को सौंपा गया। योजना के सुचारू संचालन से अब गांव के प्रत्येक परिवार को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। मुख्य अतिथि विधायक रुद्रप्रयाग भरत सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा प्रारंभ की गई जल जीवन मिशन योजना का उद्देश्य 'हर घर नल, हर नल में जल' सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि योजना के पूर्ण होने से प्रत्येक परिवार को शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी। विशिष्ट अतिथि मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र रावत ने जल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भविष्य में संभावित जल संकट से निपटने के लिए जल संरक्षण एवं संवर्द्धन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ग्राम स्तर पर ठोस कार्य योजना बनाकर जल स्रोतों के संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रयास करने पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक संकल्प के साथ किया गया कि जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा।

जन औषधि केंद्र पर लटका ताला, महंगी दवाइयां खरीदने को मजबूर लोग

नई टिहरी। टिहरी जिले में जन औषधि केंद्रों की व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर गई है। जिला अस्पताल बौराड़ी, उप जिला अस्पताल नरेंद्रनगर और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिलखी में जन औषधि केंद्रों का संचालन बंद हो गया। इससे मरीजों को मेडिकल स्टोरों से महंगी दरों पर दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जन जन औषधि केंद्रों की लचर व्यवस्था पर स्थानीय लोगों ने कड़ा आक्रोश जताया है। उप जिला अस्पताल नरेंद्रनगर और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिलखी में गत वर्ष जन औषधि केंद्र बंद हो गए थे। जिला अस्पताल बौराड़ी में केंद्र संचालित हो रहा था, लेकिन यहां भी करीब 15 दिन पहले ताला लग गया है। अस्पताल आने वाले मरीजों को अब रियायती दरों पर दवाइयों की सुविधा नहीं मिल पा रही है जिससे लोगों को सस्ती दवा के लिए भटकना पड़ रहा है। नागरिक मंच के अध्यक्ष सुंदर लाल उनियाल का कहना है कि जन औषधि केंद्र बंद होने से गरीब और बुजुर्ग मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। बाजार से दवाइयां खरीदना हर किसी के बस की बात नहीं है। गंभीर सिंह नेगी ने बताया कि पहले बौराड़ी जिला अस्पताल परिसर में ही सस्ती दवा मिल जाती थी। अब बाहर मेडिकल स्टोर का चक्कर लगाना पड़ रहा है। इससे समय और पैसा दोनों खर्च हो रहे हैं।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा मुरादाबाद डिवीजन में स्टेशनों की स्वच्छता की निगरानी के लिए स्वच्छता डैशबोर्ड का डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन और रखरखाव हेतु ई–टेंडर website: www.ireps.gov.in पर दिनांक 09.03.2026 को 15:00 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 529/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मण्डल अभियन्ता/मंडल द्वारा निम्नलिखित ई–टेण्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 15:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेण्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमान्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेण्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेण्डर संख्या	304-DRM-MB-25-26 Dt. 16.02.2026
कार्य का नाम	Misc. track maintenance work in connection to yard improvement in the section of ADEN/HPU.
टेण्डर क्लोसिंग दिनांक	12.03.2026
टेण्डर क्लोसिंग समय	15:00
अनुमानित लागत (रू.)	89,85,460.15
धरोहर राशि (रू.)	1,79,700.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	6 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	26.02.2026

सं.: Sr. DEN-IV/Publication/25-26 दिनांक: 17.02.2026 534/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एम्बुलेंस में जीपीएस लगाना होगा अनिवार्य

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को जनपद में संचालित हो रही 108 एम्बुलेंस सेवा के संचालन स्थिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि प्रत्येक एम्बुलेंस में जीपीएस लगा होना चाहिए, जिसका लॉग इन एक्सेस मुख्य चिकित्साधिकारी के पास होना चाहिए। जिलाधिकारी ने एम्बुलेंस में मोबाइल फोन एवं टेबलेट रखवाने के भी निर्देश दिये।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभिषेक गुप्ता ने जिलाधिकारी को जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में बाईस 108 एम्बुलेंस वाहन संचालित हो रही हैं। जिनकी तैनाती विकासखण्ड के अनुसार प्रत्येक विकासखण्ड में दो से तीन एम्बुलेंस तैनात की गई हैं। उन्होंने बताया कि आगामी चारधाम यात्रा को देखते हुए जनपद के लिए तीन और एम्बुलेंस की मांग शासन को भेजी गई हैं। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी एवं सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी एम्बुलेंस का फिटनेस परीक्षण चारधाम यात्रा शुरू होने से पूर्व आरटीओ कर्णप्रयाग के माध्यम से करवाकर फिटनेस चार्ट उपलब्ध करायें। एम्बुलेंसों के रिस्पोन्स समय को सुधारें व प्रत्येक एम्बुलेंस के रिस्पॉन्स समय का रिकॉर्ड रखने के भी निर्देश दिये। इस दौरान बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, मुख्य कोषाधिकारी मामूर जहां एवं अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध पर कार्य पूर्ण करें

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में जिला सभागार में जनपद में संचालित क्लस्टर पद्धति विद्यालय के कार्यों एवं शौचालयो की वस्तुस्थिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी श्रीकांत पुरोहित को माह मई 2026 तक क्लस्टर पद्धति विद्यालयों के सभी कार्य पूर्ण करने एवं 01 क्लस्टर पद्धति विद्यालय हेतु भूमि चिन्हित करते हुए प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने जोशीमठ एवं तपोवन में छात्र-छात्राओं की संख्या उपलब्ध कराने के स्पष्ट निर्देश दिए। वहीं मुख्य शिक्षा अधिकारी को क्लस्टर पद्धति विद्यालय में चल रही कार्यों की गुणवत्ता चेक करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा संबंधित प्रधानाचार्य भी कार्यों का निरीक्षण करें ताकि गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध पर कार्य पूर्ण हो सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी **नागेन्द्र उनियाल** द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com